RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

लेखाशास्त्र

कक्षा– 12

प्रश्न बैंक

2022-23

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
उदयपुर

कोरोना से बचाव के उपाय

हाथ धोने के पाँच आसान चरण

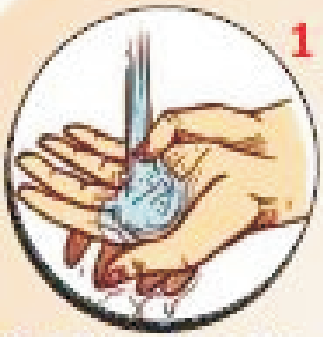

1

सबसे पहले होता है हाथ गीला,
फिर हाथ पर नाचे साबुन रंगीला

2

हाथ से होता फिर हाथ का साथ,
फिर घूम के आगे पीछे खेले हाथ,

3

खेलो तब उंगलियों
में घुसकर

4

फिर चलाओ नाखूनों में घुसकर

5

हाथ करें फिर पानी में छम-छम,
क्योंकि साफ हाथ में ही है दम

सावधानी हेतु सुझाव

1. साबुन से 20 सेकंड तक हाथ नियमित अंतराल पर धोएँ।
2. मास्क का उपयोग करें।
3. सामाजिक दूरी बनाये रखें।
4. अनावश्यक एवं बार-बार घर से बाहर जाने से बचें।
5. सर्दी-खाँसी या हल्का बुखार होने पर नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में डॉक्टर को दिखावें।

मुख्य संरक्षक

माननीय श्री बी.डी. कल्ला
शिक्षा मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

माननीया श्रीमती जाहिदा खान
राज्य मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर

संरक्षक

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा (I.A.S.)
अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा,
राजस्थान सरकार, जयपुर

डॉ. मोहन लाल यादव (I.A.S.)
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री गौरव अग्रवाल (I.A.S.)
निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय
बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

श्रीमती कविता पाठक (R.A.S.)
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

मार्गदर्शक

डॉ. अनिल कुमार (R.A.S.)
अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री शिवजी गौड़
अतिरिक्त निदेशक
राराशैअप्रप, उदयपुर

डॉ. मोटाराम भादू
उपनिदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
जयपुर

श्रीमती मनीषा उज्वल
एसो. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

प्रभारी अधिकारी

श्री बन्ना राम रैगर
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

श्रीमती योगिता शर्मा
सहायक निदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

श्रीमती अनामिका चौधरी
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

आमुख

कोविड–19 महामारी की विषम परिस्थितियों के कारण विद्यालयों में कक्षा कक्षीय शिक्षण प्रभावित हुआ है। हालांकि स्माइल– 3, शिक्षा वाणी, शिक्षा दर्शन व आओ घर से सीखे कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण सामग्री व गृह कार्य उपलब्ध कराया गया है। परंतु नियमित कक्षा कक्षीय शिक्षण के अभाव में विद्यार्थियों को पढ़ने लिखने का अभ्यास अपेक्षाकृत कम रहा है , इसके कारण विद्यार्थियों में अधिगम अंतराल बढ़ गया है। इसी अंतराल को कम करने व बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास देने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर द्वारा कक्षा 12 के लेखाशास्त्र विषय का प्रश्न बैंक तैयार किया गया है

इस प्रश्न बैंक निर्माण से हमारा उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों को प्रश्नों का हल करके लिखने का पर्याप्त अभ्यास मिले,जिससे बोर्ड परीक्षा परिणाम गुणात्मक एवं संख्यात्मक रूप से श्रेष्ठ रहे। इस प्रश्न बैंक का निर्माण अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया है, इसके निर्माण में प्रत्येक पाठ की संपूर्ण विषय वस्तु में से महत्वपूर्ण प्रश्नों का चयन किया गया । इस प्रश्न बैंक निर्माण में प्रश्नों के विभिन्न रूप यथा बहुविकल्पी ,रिक्त स्थान ,अति लघुत्तरात्मक, लघुत्तरामक एवं निबंधात्मक प्रश्नों को समाहित किया गया है ।लेखा शास्त्र से संबंधित हमारे रोजमर्रा के व्यवहारिक प्रश्नों को प्रश्न बैंक में पर्याप्त स्थान दिया गया है। विषय अध्यापकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने कक्षा शिक्षण के दौरान इन प्रश्नों को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षण करवाएंगे तथा प्रत्येक पाठ के कक्षा शिक्षण के पश्चात इन प्रश्नों का भी विद्यार्थियों को अभ्यास कराए और गृह कार्य में करने हेतु देंगे। बोर्ड परीक्षा प्रणाली को ध्यान में रखते हुए आप इस प्रश्न बैंक में से इस प्रश्न बैंक में से कुछ मॉडल पेपर तैयार कर विद्यार्थियों को परीक्षा पूर्व का अभ्यास दे सकते हैं ।

आशा है इससे विद्यार्थियों को विषय वस्तु को समझने, लिखित अभ्यास एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम अर्जित करने में काफी मदद मिलेगी तथा एवं शिक्षक को भी अपनी पढ़ाई हुई विषय वस्तु का मूल्यांकन करने में काफी मदद मिलेगी।

निदेशक
श्रीमती कविता पाठक (RAS)
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अनुक्रमणिका

भाग – 1

अध्याय –01 – अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन 06–15

अध्याय –02 –साझेदारी लेखांकन (आधारभूत अवधारणाएँ)..... 16–20

अध्याय –03 –साझेदारी फर्म का पुनर्गठन – साझेदार का प्रवेश..... 21–27

अध्याय –04 – साझेदार की सेवा निवृति/मृत्यु..... 28–34

अध्याय –05 – साझेदारी फर्म का विघटन.....35–40

भाग – 2

अध्याय–1 अंष पूंजी के लिए लेखांकन.....41–45

अध्याय–2 त्रणपत्रों का निर्गम एवं मोचन..... 46–53

अध्याय–3 कम्पनी के वित्तीय विवरण..... 54–58

अध्याय–4 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण 59–62

अध्याय–5 लेखांकन अनुपात..... 63–71

अध्याय–6 रोकड़ प्रवाह विवरण..... 72–76

मॉडल पेपर–1 77–84

मॉडल पेपर–2 85–92

मॉडल पेपर–3 93–100

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

लेखाशास्त्र भाग–1

अध्याय 01 – अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन

बहुविकल्पीय प्रश्न :–

1. प्राप्ति एंव भुगतान खाते में कौन–कौन सी मदें दिखाई जाती हैं ?

(क) चालू वर्ष का प्राप्त चन्दा (ख) अग्रिम प्राप्त चन्दा

(ग) पिछले वर्ष का चन्दा चालू वर्ष में प्राप्त (घ) उपर्युक्त सभी ( )

2. प्राप्ति एंव भुगतान खाता किसका सारांश होता हैं –

(क) रोकड़ बही का (ख) खाता बही का

(ग) क्रय बही का (घ) विक्रय बही का ( )

3. मूल्य ह्रास को प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाया जाता है –

(क) प्राप्ति पक्ष में (ख) भुगतान पक्ष में

(ग) किसी पक्ष में नही दिखाया जाता (घ) दोनों पक्ष में दिखाया जाता है ( )

4. चालू वर्ष कि आयगत आय को दर्शाया जायेगा –

(क) केवल प्राप्ति और भुगतान खाते में (ख) केवल आय–व्यय खाते में

(ग) उपर्युक्त दोनों खातों में (घ) तुलन पत्र में ( )

5. अलाभकारी संस्थाएँ निम्न में से किस प्रपत्र का निर्माण नही करती हैं –

(क) प्राप्ति एंव भुगतान खाता (ख) लाभ हानि खाता

(ग) आय–व्यय खाता (घ) चिठ्ठा ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6. लेखा बहियों कि गणितीय शुद्धता की जाँच के लिये बनाया जाता है –

(क) प्राप्ति एंव भुगतान खाता (ख) तलपट

(ग) आय–व्यय खाता (घ) तुलन पत्र ( )

7 प्राप्ति एंव भुगतान खाता में कौनसी मद नहीं दिखाई जायेगी –

(क) किराया (ख) वेतन

(ग) मूल्य ह्रास (घ) चन्दा ( )

8 गैर रोकड़ मद में शामिल होता है –

(क) ह्रास (ख) बकाया व्यय

(ग) अर्जित आय (घ) उपर्युक्त सभी ( )

9 वर्ष के आरम्भ में बैंक अधिविकर्ष होनें कि स्थिति में इसे प्राप्ति एंव भुगतान खाते में दर्शायेगें–

(क) प्राप्ति पक्ष में (ख) भुगतान पक्ष में

(ग) दोनों में (घ) प्राप्ति एंव भुगतान खाते में नहीं दर्शायेग ( )

10 प्राप्ति एंव भुगतान खाते के अन्त में नाम पक्ष का योग जमा पक्ष के योग से अधिक है तो यह अन्तर कहलायेगा –

(क) रोकड़/बैंक शेष (ख) बैंक अधिविकर्ष

(ग) लाभ (घ) हानि ( )

11 प्राप्ति एंव भुगतान खाते के अन्त में जमा पक्ष का योग नाम पक्ष के योग से अधिक है तो यह अन्तर कहलायेगा –

(क) बैंक अधिविकर्ष (ख) रोकड़ का नाम शेष

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ग) रोकड़ का जमा शेष (घ) बैंक का नाम शेष ( )

12 उपार्जन आधार पर तैयार किया जाता हैं –

(क) प्राप्ति एंव भुगतान खाता (ख) आय व्यय खाता

(ग) रोकड़ खाता (घ) बैंक खाता ( )

13 कौनसा खाता लाभ हानि खाते की तरह होता है –

(क) प्राप्ति एंव भुगतान खाता (ख) रोकड़ खाता

(ग) आय और व्यय खाता (घ) पूंजी खाता ( )

14 आय और व्यय खाते का अन्तिम शेष प्रकट करता है –

(क) लाभ (ख) हानि

(ग) न लाभ न हानि (घ) आधिक्य या घाटा ( )

15 निम्न लिखित में से आयगत मद हैं –

(क) आजीवन सदस्यता शुल्क (ख) विशिष्ट दान

(ग) चन्दा (घ) इनमे से कोई नहीं ( )

16 निम्नलिखित में से पूंजीगत मद है –

(क) चन्दा (ख) आजीवन सदस्यता शुल्क

(ग) सामान्य दान (घ) पुराने समाचार पत्रों का विक्रय ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

17 प्राप्ति एंव भुगतान खाता है –

(क) व्यक्तिगत खाता (ख) नाममात्र का खाता

(ग) वस्तुगत खाता (घ) इनमे से कोई नहीं ( )

18 चालू वर्ष में अग्रिम प्राप्त किराया होता है –

(क) दायित्व (ख) सम्पति

(ग) आय (घ) व्यय ( )

19 पुराने पत्र पत्रिकाओं का विक्रय होता है –

(क) पूंजीगत प्राप्ति (ख) आयगत प्राप्ति

(ग) दायित्व (घ) पूंजीगत लाभ ( )

20 निम्नलिखित में से गैर व्यापारिक संस्था नहीं हैं।

(क) अस्पताल (ख) विद्यालय

(ग) ट्रस्ट (घ) इनमे से कोई नहीं ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. ..... खाता, रोकड़ पुस्तक का सारांश होता है।

2. ..... खाते में, सभी प्राप्तियों एंव भुगतानों को शामिल किया जाता हैं।

3. ..... में आयगत एंव पूंजीगत मदों को दर्ज करने में कोई

भेद नहीं किया जाता है । (प्राप्ति एंव भुगतान खाता/आय व्यय खाता)

4. गैर रोकड़ मदें ..... खाते में शामिल नहीं की जाती हैं।

5. प्राप्ति एंव भुगतान खाता बनाते समय सबसे पहले ..... को दर्ज किया जाता है।

6. आय–व्यय खाता ..... आधार पर तैयार किया जाता है। (उपार्जन/ नकद)

7. अलाभकारी संस्थाएँ भी अपनी वित्तीय स्थिति का प्रदर्शन करने के लिए ..... तैयार करती है। (तुलन पत्र / तलपट)

8. विशेष उद्देश्य के लिए दान को हमेशा ..... आय माना जावेगा। (पूंजीगत/आयगत)

9. आय और व्यय खाते के अधिक्य को पूंजी/सामान्य निधि में ..... जाता है।

10. ..... खाता, पूंजी और आगम के मध्य अंतर नहीं करता हैं। (प्राप्ति एंव भुगतान खाता/आय व्यय खाता)

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

➢ अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अलाभकारी संस्थाओं का निर्माण क्यों किया जाता हैं ?

प्र.2 आय और व्यय खाता किस खाते के समान होता है ?

प्र.3 रोकड़ बहीं के सारांश के रूप में कौन सा खाता बनाया जाता है ?

प्र.4 आय व्यय खाते का अन्तर क्या कहलाता है ?

प्र.5 प्राप्ति एंव भुगतान खाते के अन्तर को हम क्या कहते हैं ?

प्र.6 मानदेय से क्या अभिप्राय है ?

प्र.7 पूंजी कोष से आप क्या समझते हैं ?

प्र.8 आय व्यय खाते के किस पक्ष में आय को दर्शाया जाता है ?

प्र.9 प्रवेश शुल्क को स्पष्ट किजिए।

प्र.10 विशिष्ट दान से आप क्या समझते हैं ?

प्र.11 व्यापारिक और गैर व्यापारिक संस्था में क्या अन्तर होता है ?

प्र.12 पूंजी कोष में क्या जोड़ा जाता है ?

प्र.13 स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय पर 2000/– कि हानि को कौन से खाते में दर्शाया जायेगा ?

प्र.14 विशिष्ट कोष पर प्राप्त ब्याज को तुलन पत्र में कैसे दर्शाया जाता है ?

प्र.15 वसीयत से प्राप्ति को स्पष्ट करो।

प्र.16 एक क्लब ने 22,500 का फर्नीचर 21000 में बेच दिया । आय व्यय खाते में कितनी राशि दर्शायी जायेगी ?

प्र.17 एक क्लब नें 22,500 का फर्नीचर 21000 में बेच दिया। प्राप्ति एंव भुगतान खाते में कितनी राशि दिखाई जायेगी ?

प्र.18 किसी संस्था की आय 12000 है और पूंजी कोष में आधिक्य के 2000रू क्रेडिट किये गये हो तो संस्था के व्ययों की राशि ज्ञात करो।

प्र.19 अदत व्यय को आय व्यय खाते में कैसे दिखाते है ?

प्र.20 पूर्वदत्त व्यय को तुलन पत्र के किस पक्ष में दिखाया जाता है ?

➢ <u>लघुउत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्र.1 अलाभकारी संस्था से क्या आशय है ?

प्र.2 ऐसी संस्थाए जिनका निर्माण लाभ कमाने के उददे्श्य से नहीं किया जाता है, क्या कहलाती हैं ?

प्र.3 अलाभकारी संस्थाओं के अंतिम खातों में क्या–क्या शामिल होते हैं ?

प्र.4 प्राप्ति एंव भुगतान खाते के विशिष्ट लक्षणों को बताइये।

प्र.5 प्राप्ति एंव भुगतान खाता और रोकड़ बही में कोई दो अन्तर बताइये।

प्र.6 चालू वर्ष के लिये प्राप्त चन्दे कि गणना कि क्रिया विधि बताइये।

प्र.7 सामान्य दान एवं विशिष्ट दान में अन्तर बताइये।

प्र.8 स्थायी परिसंपतियों के विक्रय को अलाभकारी सस्थाओं के अन्तिम खातों में कैसे दर्शाया जाता है ?

प्र.9 आजीवन सदस्यता शुल्क को समझाइये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.10 सरकारी अनुदान को समझाइये।

प्र.11 एक संस्था कि निम्नलिखित सूचनाओं से स्टेशनरी मद में आय–व्यय खाते में दिखाई जाने वाली राशि ज्ञात करो।

स्टेशनरी का प्रारम्भिक स्टॉक	20,000
स्टेशनरी का अन्तिम स्टॉक	30,000
वर्ष के दौरान स्टेशनरी का क्रय	80,000
स्टेशनरी के प्रारम्भिक लेनदार	10,000
स्टेशनरी के अन्तिम लेनदार	40,000

प्र.12 एक क्लब के 500 सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य 100/– प्रतिवर्ष चन्दा देते हैं। वर्ष के प्रारम्भ में 1000 रू और वर्ष के अन्त में 1200 चन्दे के बकाया हैं। आय व्यय खाते में दर्शायी जाने वाली राशि क्या होगी ?

प्र.13 एक संस्था में 200 सदस्य हैं, जो 200 रू प्रतिवर्ष चन्दा देते हैं। वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा –

पिछले वर्ष का	10,000
चालू वर्ष का	38,000
अगले वर्ष का	7000

प्राप्ति एंव भुगतान खाते और आय व्यय खाते में दिखाई जाने वाली चन्दे कि राशि ज्ञात करो।

प्र.14 निम्नलिखित सूचनाओं को अलाभकरी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों में दर्शाएं :–

खेल निधि	30,000
खेल व्यय	40,000
खेल निधि के लिये वर्ष में प्राप्त दान	15,000
खेल टिकटों का विक्रय	4,000

प्र.15 निम्न लिखित तथ्यों से एक क्लब के वर्ष 2021 के लिये चन्दे से प्राप्त आय कि गणना कीजिए ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

	1—4—2020	31—3—2021
बकाया चन्दा	6000	7000
अग्रिम प्राप्त चन्दा	4000	5000

वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा 87,500

प्र.16 एक संस्था में 300 सदस्य हैं, प्रत्येक 40 रू सालाना चन्दा देता है।

निम्नलिखित सूचनाओं से अग्रिम प्राप्त चन्दे कि राशि ज्ञात करो।

वर्ष के प्रारम्भ में अग्रिम प्राप्त चन्दा 1200

वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा 10,000

वर्ष के अन्त में बकाया चन्दा 1400

प्र.17 एक संस्था में 1200 सदस्य है प्रत्येक 100 रू सालाना चन्दा देता है।

निम्नलिखित सुचनाओं से अदत्त चन्दे कि राशि ज्ञात कीजिये।

वर्ष के प्रारम्भ में बकाया चन्दा 20,000

वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा 1,35,000

वर्ष के अन्त में अग्रिम चन्दा 30,000

प्र.18 वर्ष 2021 में आय व्यय खाते में दर्शायी जानें वाली किराये की राशि ज्ञात कीजिये।

वर्ष के दौरान किराया चुकाया — 14400

वर्ष के प्रारम्भ में अदत्त — 2000

वर्ष के अन्त में अदत्त किराया — 1500

प्र.19 वर्ष 2021 में आय—व्यय खाते में दर्शायी जाने वाली खेल सामग्री की राशि ज्ञात कीजिये।

1—4—2020 को खेल सामग्री का स्टॉक 3000

वर्ष के दौरान खेल सामग्री हेतु भुगतान 26,300

31—3—2021 को खेल सामग्री के लेनदार 4000

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

31–3–2021 को खेल सामग्री का स्टॉक 3800

प्र.20 एक संस्था की सम्पतियाँ रू 36,400 , दायित्व रू 9200 आप व्यय खाते का डेबिट शेष रू 2700 हो तो पूंजी कोष की राशि ज्ञात करो ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अलाभकारी संस्थाओं का अर्थ बताते हूए इनकी विशेषताएँ बताइये।

प्र.2 प्राप्ति एंव भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनानें में निहित चरणों का वर्णन करो।

प्र.3 आय व्यय खाता और प्राप्ति एवं भुगतान खाते के बीच अंतर स्पष्ट करो।

प्र.4 विशिष्ट कोष से क्या आशय है ? विशिष्ट कोष से सम्बन्धित राशि को आय–व्यय खाते में कब दर्शाया जा सकता है ? सम्बन्धित प्रावधान को उदाहरण सहित स्पष्ट करो।

प्र.5 निम्नलिखित सुचनाओ से प्राप्ति एंव भुगतान खाता बनाइये–

01–04–2020 को रोकड़ शेष – 40,000

प्राप्त चन्दा

2020 – 3000

2021 – 26000

2022 – 5000 34,000

प्रवेश शुल्क	5000	किराया प्राप्त	6000
वेतन चुकाया	9400	मानदेय	1800
छपाई खर्च	3300	विशिष्ट दान	6000
फर्नीचर खरीदा	2000	फर्नीचर पर मूल्यह्रास	200

प्र.7 निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते व अन्य सूचनाओं से 31–3–2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये आय–व्यय खाता बनाइये।

Receipts and Payments Account
For the year ended 31 March 2021

Receipts	Amount	Payments	Amount
To Cash in Hand	2000	By salaries	50000

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

To Cash at Bank	100000	By Stationery	2000
To Subscription	152400	By Electricity Exp.	7000
To Donation	36000	By Billard Table	50000
To Interest on investment	1800	By Investment	6000
To Entrance Fee	18000	By Purchase of Assets	125000
To Interest received from bank	6300	By Insurance Premium	2400
To Sale of old materials	900	By cash in Hand	4000
		By Cash at Bank	11000
Total	317400	Total	317400

अतिरिक्त सूचनाएं –

1. 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष का बकाया चन्दा – 1,000 रू, इसी वर्ष प्राप्त अग्रिम चन्दा 4000 रू
2. पूर्वदत्त बीमा 300 रू
3. बकाया विविध व्यय 1000 रू
4. प्रवेश शुल्क का 50 प्रतिशत पूँजीकृत करना है।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–02 , साझेदारी लेखांकन (आधारभूत अवधारणाएँ)

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न :–</u>

प्र.1 साझेदारी विलेख हो सकता है।

(क) लिखित (ख) मौखिक

(ग) लिखित या मौखिक (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.2 साझेदारी की विशेषता नहीं है –

(क) अनुबन्ध (ख) लाभ का विभाजन

(ग) एक व्यक्ति स्थायी होता है (घ) व्यवसाय का होना

प्र.3 साझेदारी विलेख की विषयवस्तु हैं –

(क) फर्म का नाम (ख) साझेदार का नाम

(ग) साझेदार का पता (घ) उपर्युक्त सभी

प्र.4 साझेदारी संलेख के अभाव में पूंजी पर ब्याज –

(क) नहीं दिया जाता है (ख) अंतिम पूंजी पर दिया जाता है

(ग) प्रारम्भिक पूंजी पर दिया जाता हैं। (घ) 6% वार्षिक की दर से दिया जाता है

प्र.5 साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदार से ऋण पर ब्याज दिया जायेगा –

(क) 6% वार्षिक (ख) 4% वार्षिक

(ग) 10% वार्षिक (घ) 9% वार्षिक

प्र.6 साझेदारी संलेख के अभाव में निम्नलिखित में से क्या दिया जायेगा–

(क) साझेदार को वेतन (ख) साझेदार के ऋण पर ब्याज

(ग) पूंजी पर ब्याज (घ) आहरण पर ब्याज

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.7 साझेदार के ऋण पर ब्याज को क्रेडिट किया जाता है

(क) साझेदार के चालू खाते में (ख) साझेदार के पूंजी खाते में

(ग) साझेदार के आहरण खाते में (घ) साझेदार के ऋण खाते में

प्र.8 आहरण पर ब्याज पूंजी खाते में किस पक्ष में दिखाया जाता है।

(क) Dr पक्ष में (ख) Cr पक्ष में

(ग) दोनो में (घ) इनमे से कोई नहीं

प्र.9 साझेदार के चालू खाते का शेष हो सकता है –

(क) केवल Dr (ख) केवल Cr

(ग) Dr या Cr कोई भी (घ) इनमे से कोई नहीं

प्र.10 लाभ हानि नियोजन खाता है

(क) व्यक्तिगत (ख) नाम मात्र का

(ग) वस्तुगत (घ) उपर्युक्त में से कोई नही

प्र.11 साझेदार के मध्य लाभों का बटँवारा दर्शाने हेतु कौन सा खाता बनाया जाता है ?

(क) लाभ हानि खाता (ख) लाभ हानि नियोजन खाता

(ग) लाभ हानि समायोजन खाता (घ) साझेदारों के पूंजी खाते

प्र.12 साझेदार का चालू खाता होता है –

(क) व्यक्तिगत खाता (ख) वस्तुगत खाता

(ग) नाममात्र का खाता (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.13 फर्म के लिये साझेदार के आहरण पर ब्याज

(क) व्यय है (ख) हानि है

(ग) आय है (घ) पूंजीगत आय है

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.14 पूंजी पर ब्याज कि गणना होती हैं

(क) प्रारम्भिक पूंजी पर (ख) अन्तिम पूंजी पर

(ग) आहरण (घ) औसत पूंजी पर

प्र.15 साझेदारों के चालू खाते कब खोले जाते हैं ?

(क) जब पूंजी खाते परिवर्तनशील हो (ख) जब पूंजी खाते स्थिर हो

(ग) उपर्युक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

<u>अतिलघुउत्तरीय प्रश्न</u>

प्र.1 साझेदारी से क्या आशय है ?

प्र.2 साझेदारी किसे कहते है ?

प्र.3 फर्म से क्या तात्पर्य है ?

प्र.4 एक फर्म में न्यूनतम कितने साझेदार होते हैं ?

प्र.5 साझेदारी व्यवसाय पर नियंत्रण के लिये कौनसा अधिनियम लागू होता है ?

प्र.6 साझेदारी संलेख किसे कहते है ?

प्र.7 क्या वैध साझेदारी व्यवसाय के लिये साझेदारी संलेख का लिखित होना आवश्यक है ?

प्र.8 साझेदारी अधिनियम 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा दिजीये।

प्र.9 आहरण पर ब्याज को समझाइये।

प्र.10 स्थिर पूँजी विधि से पूंजी खाते रखने पर साझेदारों से सम्बन्धित व्यवहारों को दर्ज करने के लिये कौन–कौन से खाते खोले जाते हैं ?

प्र.11 यदि समान राशि का आहरण प्रत्येक माह के अन्त में किया जाता है, तो कितने माह का ब्याज लगता है ?

प्र.12 साझेदारों के चालू खाते कब खोले जाते हैं ?

प्र.13 साझेदारो के पूंजी खातों का शेष सामान्यतः कौनसा होता है ?

प्र.14 क्रियाशील साझेदार को देय वेतन, पूंजी खाते के किस पक्ष में दिखाया जायेगा ?

प्र.15 लाभ हानि नियोजन खाता क्यों बनाया जाता है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.16 साझेदार के असीमित दायित्व से क्या आशय है ?

प्र.17 ब्याज की गणना के लिए गुणनफल विधि का सूत्र बताइये।

प्र.18 यदि प्रत्येक तिमाही के मध्य में एक समान राशि का आहरण किया जाता है, तो कितने माह का ब्याज वसूल किया जायेगा ?

प्र.19 यदि साझेदार की पूंजी स्थायी हो, तो आहरण पर ब्याज को कौनसे खाते में दर्शायेगें ?

प्र.20 यदि साझेदार की पूंजी परिवर्तनशील हो तो, आहरण पर ब्याज को कौन से खाते में दर्शायेगें ?

➢ <u>लघुउत्तरीय प्रश्न</u>

प्र.1 साझेदार संलेख के विभिन्न तत्वों का वर्णन करो।

प्र.2 साझेदारों के पूंजी खाते अनुरक्षण कि विभिन्न विधियों का वर्णन करो।

प्र.3 साझेदारों के पूंजी खाते रखने कि विभिन्न विधियों का वर्णन करो।

प्र.4 स्थिर पूंजी विधि से पूंजी खाते रखने पर पूंजी खाते का शेष किन परिस्थितियों में परिवर्तित हो सकता हैं ?

प्र.5 आहरण पर ब्याज कि गणना हेतु, औसत विधि का उपयोग कब किया जा सकता हैं ?

प्र.6 लाभों का नियोजन किसे कहा जाता है ? उदाहरण सहित स्पष्ट करो।

प्र.7 लाभों पर प्रभार किसको कहा जाता है ? उदाहरण सहित स्पष्ट करो।

प्र.8 लाभ हानि नियोजन खाते के डेबिट पक्ष में दिखायी जाने वाली किन्ही 3 मदों का नाम लिखिये।

प्र.9 साझेदारी कि मुख्य विशेषताएं लिखिये।

प्र.10 साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले कोई 2 नियम लिखिये।

प्र.11 साझेदारों के स्थिर पूंजी और परिवर्तनशील पूंजी विधि में अन्तर बताइये।

प्र.12 आहरण पर ब्याज कि गणना विधि बताइये।

प्र.13 जब पूंजी खाते परिवर्तनशील विधि से रखे जाते हैं तो पूंजी खाते के क्रेडिट पक्ष में आने वाली कोई चार मदें बताइये।

प्र.14 पूंजी पर ब्याज देने से सम्बन्धित प्रावधानों को समझाइये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.15 साझेदार के पूंजी खातों और चालू खातों में अन्तर बताइये।

प्र.16 साझेदारी संलेख का लिखित रूप में होना क्यों अच्छा होता है ?

प्र.17 लेखांकन कि दृष्टि से कोई 2 बातें बताइये, जिन्हे साझेदारी संलेख में होना चाहिये।

प्र.18 राज ने 01–10–2020 को 1,00,000 फर्म को ऋण दिये। खाते 31–03–2021 को बन्द होते है, तो उसे कितना ब्याज मिलना चाहिये, जबकि साझेदारी संलेख इस विषय में मौन है ?

प्र.19 A और B एक फर्म में साझेदार हैं। जिनका लाभ विभाजन अनुपात बराबर है। साझेदारी संलेख के अनुसार A को 5000 और B को 12000 वार्षिक वेतन देना है। आहरण पर ब्याज क्रमशः 1500 एवं 2000 है। 31.03.2021 को समाप्त होनें वाले वर्ष के लिये लाभ 50,000 रू हैं। लाभ हानि नियोजन खाता बनाइये।

प्र.20 अनिल और मोहन क्रमशः 40,000 और 30,000 लगाकर साझेदारी में शामिल हुए। वे लाभों को 3:2 के अनुपात में बाँटते हैं। मोहन को 4000 रू वार्षिक वेतन देय है। वर्ष के दौरान अनिल का आहरण 3000 और मोहन का 6000 था। आहरण पर ब्याज क्रमशः 50 और 70 रू है। पूंजी पर 6 % वार्षिक ब्याज देने की व्यवस्था है। इन सभी समायोजन से पूर्व लाभ 10,580रू था। साझेदारों के मध्य लाभों का बटँवारा बताइये।

.....

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–03, साझेदारी फर्म का पुनर्गठन :– साझेदार का प्रवेश

➢ **बहुविकल्पीय प्रश्न**

प्र.1 नये साझेदार के प्रवेश पर कौन–कौन से समायोजन करना आवश्यक होता है।

(A) नया लाभ विभाजन अनुपात (B) त्याग अनुपात

(C) पूंजी का समायोजन (D) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.2 त्याग अनुपात कि गणना होती है–

(A) पुराना अनुपात–नया अनुपात (B) नया अनुपात–पुराना अनुपात

(C) पुराना अनुपात+नया अनुपात (D) इनमें से कोई नहीं ( )

प्र.3 फायदे के अनुपात कि गणना होती है –

(A) पुराना अनुपात–नया अनुपात (B) नया अनुपात–पुराना अनुपात

(C) पुराना अनुपात+नया अनुपात (D) इनमें से कोई नहीं ( )

प्र.4 नया लाभ विभाजन अनुपात होगा –

(A) पुराना अनुपात–नया अनुपात (B) नया अनुपात–पुराना अनुपात

(C) पुराना अनुपात+नया अनुपात (D) इनमें से कोई नहीं ( )

प्र.5 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन होता है

(A) नए साझेदार के प्रवेश पर (B) विद्यमान साझेदार की सेवा निवृति पर

(C) साझेदार की मृत्यु पर (D) उपरोक्त सभी में ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.6 ख्याति के मूंल्याकन की आवश्यकता होती है

(A) नए साझेदार के प्रवेश पर (B) विद्यमान साझेदार की सेवा निवृति पर

(C) साझेदार की मृत्यु पर (D) उपरोक्त सभी में ( )

प्र.7 सम्पतियों एंव दायित्वों के पुर्नमुल्यांकन की आवश्यकता होती है

(A) नए साझेदार के प्रवेश पर (B) विद्यमान साझेदार की सेवा निवृति पर

(C) साझेदार की मृत्यु पर (D) उपरोक्त सभी में ( )

प्र.8 A और B पुराने साझेदार हैं, वे C को नये साझेदार के रूप में प्रवेश देते हैं तो ऐसी दशा में करना होगा –

(A) सम्पतियों एंव दायित्वों के पुर्नमुल्यांकन (B) अवितरित लाभों का बंटबारा

(C) नये लाभ विभाजन अनुपात का निर्धारण (D) उपरोक्त सभी ( )

प्र.9 साझेदार के प्रवेश पर, पुराने तुलन पत्र में दर्शाये गये अवितरित लाभों को वितरित करेगें –

(A) पुराने साझेदारों में (B) नये साझेदारों में

(C) सभी साझेदारों में (D) पुराने साझेदारों में नये अनुपात में ( )

प्र.10 नये साझेदार के प्रवेश पर परिसम्पतियों के मूल्य में हुई कमी को दर्शाया जायेगा

(A) पूंजी खाते में (B) पुनर्मूल्यांकन खाते में

(C) सम्पति खाते में (D) साझेदार के चालू खाते में ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.11 नये साझेदार द्वारा लायी गयी ख्याति की रकम को पुराने साझेदार बाटेगें –

(A) नए लाभ विभाजन अनुपात में (B) पुराने लाभ विभाजन अनुपात में

(C) त्याग के अनुपात में (D) फायदे के अनुपात में ( )

प्र.12 पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को पुराने साझेदारों में बॉटा जाता है –

(A) नए लाभ विभाजन अनुपात में (B) पुराने लाभ विभाजन अनुपात में

(C) त्याग के अनुपात में (D) फयादे के अनुपात में ( )

प्र.13 ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ है

(A) औसत लाभ विधि (B) अधिलाभ विधि

(C) पूंजीकरण विधि (D) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.14 लाभों में हिस्सा प्राप्त करने के लिये नया साझेदार क्या लाता है –

(A) पूंजी (B) सम्पति

(C) ख्याति (D) ऋण ( )

<u>अतिलघुउत्तरीय प्रश्न</u>

प्र.1 ख्याति से क्या आशय है ?

प्र.2 नया साझेदार किसे कहा जाता है ?

प्र.3 फर्म में नया साझेदार किन साझेदारों कि सहमति पर प्रवेश कर सकता है ?

प्र.4 क्या नये साझेदार के प्रवेश से पुरानी साझेदारी का पुनर्गठन होता है ?

प्र.5 फायदे का अनुपात क्या होता है ?

प्र.6 ख्याति को किस अनुपात में बाँटा जाता है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.7 फायदे के अनुपात की गणना का सूत्र होगा ?

प्र.8 जब नये साझेदार द्वारा पुराने साझेदार को ख्याति की राशि निजी रूप मे दे दी जाती है, तो इसकी लेंखाकन प्रविष्टि क्या होगी ?

प्र.9 जब नया साझेदार अपने हिस्से कि ख्याति नकद नहीं लाता है, तो इसका लेखांकन कैसे किया जाता है ?

प्र.10 पुनर्मूल्यांकन खाता क्यों बनाया जाता है ?

प्र.11 संचित हानि किसे कहते हैं ?

प्र.12 सामान्य संचय से आप क्या समझते हैं

प्र.13 कोई एक अधिकार बताइये जो नये आने वाले साझेदार को फर्म में मिलता है।

प्र.14 त्याग के अनुपात की गणना क्यों की जाती है ?

प्र.15 लेखामानक 10 एंव 26 के अनुसार कौन सी ख्याति को लेखा पुस्तकों में दिखाया जा सकता है ?

प्र.16 नये साझेदार के प्रवेश पर पुस्तकों में पहले से मौजूद ख्याति का क्या किया जाता है ?

प्र.17 पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को नये साझेदार के पूंजी खाते में हस्तांन्तरित क्यों नहीं किया जाता है ?

प्र.18 A और B बराबर के अनुपात में साझेदार हैं। वे C को $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिये साझेदार बनाते है। A और B का त्याग का अनुपात क्या होगा ?

प्र.19 A और B 3:2 के अनुपात में लाभ बाटते हूए साझेदार है वे C को $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिये प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करों।

प्र.20 पुनर्मूल्यांकन पर लाभ होने पर लेखंकान प्रविष्टि दिजिये।

➢ <u>लघुउत्तरात्मक प्रश्न</u>

प्र.1 साझेदारी फर्म के पुर्नगठन से आप क्या समझते है।

प्र.2 ख्याति को प्रभावित करने वाले घटकों का वर्णन करो।

प्र.3 ख्याति के मुल्यांकन की आवश्यकता को स्पष्ट करो।

प्र.4 ख्याति के मूल्यांकन की पूँजीकरण विधि को समझाइये।

प्र.5 लेखा मानक 25 (अमूर्त परिसंपति की उपयुक्तता) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.6 प्रच्छन्न (छिपी हुई) ख्याति क्या होती है ?

प्र.7 संचित लाभ और हानियों में क्या–क्या शामिल होते हैं ?

प्र.8 पूनर्मूल्यांकन खाता और स्मरणार्थ पूनर्मूल्यांकन खाते में अन्तर बताइये।

प्र.9 औसत लाभ और अधिलाभों में अन्तर बताइये।

प्र.10 फायदे के अनुपात और त्याग के अनुपात में दो अन्तर बताइये।

<u>प्र.11 से प्र.14</u>

A और B 3:2 के अनुपात में लाभ बाँटतें हुए साझेदार हैं। उन्होने C को $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिये साझेदार बनाया। निम्नांकित परिस्थितियों में नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

प्र.11. यदि कोई अतिरिक्त सूचना नही है।

प्र.12 C ने अपना हिस्सा केवल A से प्राप्त किया।

प्र.13 C ने अपना हिस्सा A और B से समान मात्रा में प्राप्त किया।

प्र.14 C ने अपना हिस्सा A और B से 2:3 के अनुपात में प्राप्त किया।

प्र.15 A और B 3:2 के अनुपात में लाभ बॉटते हूए साझेदार है उन्होने C को साझेदार बनाया। जिसे A और B ने अपने–अपने हिस्से का आधा भाग दिया। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

प्र.16 A और B एक फर्म में 3:2 के अनुपात में साझेदार है। उन्होने C को नया साझेदार बनाया। C के प्रवेश के बाद A B और C का नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2:1 है। त्याग अनुपात की गणना कीजिए।

प्र.17 A और B एक फर्म में 3:2 के अनुपात में साझेदार है। वे C को $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिये साझेदार बनाते हैं जिसके लिये वह 21,000/–ख्याति के नकद लाता है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए–यदि

A. ख्याति निजी रूप से दी गई हो ।

B. पुराने साझेदार आधी ख्याति की राशि निकाल लेते हैं ।

C. ख्याति की राशि फर्म में ही रहती है।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.18 A और B लाभ और हानि को बराबर–बराबर बाँटते है। C को नया साझेदार बनाया। सम्पतियों और दायित्वों का निम्नानुसार पुनर्मूल्यांकन किया गया।

A. स्टॉक को 2,800 रू से बढ़ाया जाय ।

B. फर्नीचर का मुल्य 1500 से घटाया जाय ।

C. देनदार पर 500/– का संदिग्ध ऋणों के लिये आयोजन बनाया जाय।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए और पुनर्मूल्यांकन खाता भी बनाइये।

प्र.19 A और B 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। उन्होने C को नया साझेदार बनाया और भविष्य में लाभों को बराबर बाटँने का निर्णय किया। C ख्याति के रूप में 20,000/– नकद और 10,000/– का प्लांट लाया।
आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्र. 20 x और y 16000 तथा 12000 पूंजी साथ साझेदार हैं, उन्होने z को $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिये साझेदार बनाया। z पूंजी के रूप में 16000 रू लाया। फर्म कि ख्याति व z के हिस्से कि ख्याति की गणना कीजिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः–

प्र.1 ख्याति से आप क्या समझते हैं ? इसके मूल्याांकन कि विभिन्न विधियों का विस्तार से वर्णन कीजिये।

प्र.2 साझेदारी के पुनर्गठन पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन क्यों आवश्यक होता है ? पुनर्मूल्यांकन खाते का प्रारूप भी बनाइये।

प्र.3 नये साझेदार के प्रवेश पर किये जाने वाले समायोजनों का विस्तार से वर्णन करो।

प्र.4 फर्म में नये साझेदार के प्रवेश पर ख्याति के व्यवहार की विभिन्न विधियॉ कौनसी है? उदाहरण सहित समझाइए।

प्र.5 पूंजी के समायोजन से क्या आशय है ? पूंजी के समायोजन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।

प्र.6 31–03–2021 को A और B का चिट्ठा निंम्नाकित था वे लाभ हानि 2:1 के अनुपात में बाँटते थे।

Liabilities	Amt.	Assets	Amt.
Capital		Building	28400
A 30000		Machinery	35000
B 20000	50000	Stock	21700
Creditors	65900	Debtors	18800
		Cash	12000
Total	115900	Total	115900

निम्नलिखित शर्तो पर C को $\frac{1}{3}$ भाग के लिये प्रवेश दिया गया –

1. C पूंजी के 15000 रू और ख्याति के 6000 रू लायेगा ।
2. Stock और Machinery के मूल्यों को 10 % कम करना है
3. भवन के मूल्य को 15 % कम करना है।
4. ख्याति की राशि पुराने साझेदारों द्वारा निकाल ली जायेगी।
   आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ देते हुए पूनर्मूल्यांकन खाता और नयी फर्म का प्रारम्भिक चिट्ठा बनाइये।

@ NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय 04 , साझेदार की सेवा निवृति/मृत्यु

बहुविकल्पीय प्रश्न :–

प्र.1 किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर अविभाजित लाभ हानि को किस अनुपात में बाँटा जाता है ?

(क) पुराने लाभ विभाजन अनुपात में (ख) नये लाभ विभाजन अनुपात में

(ग) पूंजी अनुपात में (घ) त्याग के अनुपात में ( )

प्र.2 साझेदार की मृत्यु कि दशा में पुनर्मूल्यांकन पर हानि को बाँटा जायेगा –

(क) सभी साझेदारों में (ख) शेष साझेदारों में

(ग) मृत साझेदार को (घ) इनमे से कोई नहीं ( )

प्र.3 साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु कि दशा में, पुनर्मूल्यांकन पर लाभ–हानि किस अनुपात में बाँटा जाता है ?

(क) त्याग के अनुपात में (ख) फायदे के अनुपात में

(ग) पुराने अनुपात में (घ) नये अनुपात में ( )

प्र.4 A, B और C 3:2:1 के अनुपात में साझेदार है। B की मृत्यु हो जाने पर नया लाभ विभाजन अनुपात होगा।

(क) 3:2 (ख) 2:1

(ग) बराबर (घ) 3:1 ( )

प्र.5 A, B और C 3:2:1 के अनुपात में साझेदार है A कि मृत्यु हो जाती है। शेष साझेदारों का फायदे का अनुपात होगा।

(क) 3:2 (ख) 2:1

(ग) 1:3 (घ) बराबर ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.6 किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु होने पर, सेवानिवृत्त/मृतक साझेदार के पूंजी खाते को नाम किया जायेगा–

(क) साझेदार के वेतन से (ख) लाभ के हिस्से से

(ग) हानि के हिस्से से (घ) ख्याति से ( )

प्र.7 किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु होने पर, शेष साझेदार, जो लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन के कारण अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। वे क्षतिपूर्ति करेगें –

(क) केवल सेवानिवृत्त साझेदार की

(ख) अधिक लाभ प्राप्त करने वाले साझेदार की

(ग) त्याग करने वाले साझेदारों तथा सेवानिवृत साझेदार की

(घ) सभी की ( )

प्र.8 A, B और C एक फर्म में साझेदार हैं। वे लाभ हानि बराबर बाँटते है। B कि मृत्यु हो जाती है। और शेष साझेदार नयी फर्म के लाभों को 5:4 के अनुपात में विभाजित करनें का निश्चय करते है। फायदे का अनुपात होगा।

(क) 2:1 (ख) 1:2

(ग) बराबर (घ) 5:4 ( )

प्र.9 A, B, C और D एक फर्म में साझेदार है C फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। नया लाभ विभाजन अनुपात और अधिलाभ अनुपात होगा।

(क) बराबर–बराबर (ख) कम–ज्यादा

(ग) 1:2:3 (घ) इनमे से कोई नहीं ( )

प्र.10 एक साझेदार की मृत्यु पर कौन–कौन से समायोजन कि आवश्यकता पड़ती है –

(क) साझेदार की मृत्यु की तिथि तक लाभ की गणना (ख) ख्याति का समायोजन

(ग) परिसम्पत्तियों और दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन (घ) उपर्युक्त सभी ( )

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

➢ अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अधिलाभ अनुपात से क्या आशय है ?

प्र.2 अधिलाभ ज्ञात करने का सूत्र लिखिए ?

प्र.3 साझेदार के अवकाश ग्रहण करने से आप क्या समझते है ?

प्र.4 त्याग के अनुपात कि गणना का क्यों की जाती है ?

प्र.5 किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर क्या साझेदारी फर्म का पुनर्गठन होता है?

प्र.6 किसी साझेदार के अवकाशग्रहण/मृत्यु पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन क्यों किया जाता है ?

प्र.7 अधिलाभ अनुपात की गणना कब–कब की जाती है ?

प्र.8 किसी साझेदार की मृत्यु पर उसको देय राशि का भुगतान किसको किया जाता है ?

प्र.9 किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति या मृत्यु कि दशा में उसको देय ख्याति की राशि को शेष साझेदार किस अनुपात में वहन करते हैं ?

प्र.10 चालू लेखावर्ष के प्रारम्भ से किसी साझेदार की मृत्यु की तिथि तक, मृतक साझेदार के लाभ में हिस्से के लिये क्या जर्नल प्रविष्टि होगी ?

प्र.11 किसी साझेदार की मृत्यु का साझेदारी फर्म पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

प्र.12 A, B और C एक फर्म में साझेदार हैं, नया अनुपात बताइये यादि –

1. A अवकाश ग्रहण करता है।
2. C अवकाश ग्रहण करता है।

प्र.13 A, B और C 2:1:1 के अनुपात में साझेदार है। B फर्म से अवकाश ग्रहण करता है और उसका हिस्सा C द्वारा ले लिया जाता है। नया लाभ विभाजन अनुपात होगा।

प्र.14 किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु कि दशा में पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को साझेदारों द्वारा किस अनुपात में बाँटा जायेगा ।

प्र.15 किसी साझेदार की मृत्यु पर यदि सम्पत्ति का बाजार मूल्य बढ़ जाता है, तो कौनसी जर्नल प्रविष्टि की जाती है।

प्र.16 अवकाशग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि में से घटायी जाने वाली कोई दो मदें बताइये।

प्र.17 किसी साझेदार की मुत्यु के समय स्थिति विवरण में दिखाई गई ख्याति के लिये कौन सी प्रविष्टि की जाती है ?

प्र.18 एक फर्म में वर्ष 2021 में वास्तविक लाभ–1,68,000 रू और सामान्य लाभ 1,52,000 हो तो अधिलाभ ज्ञात करो।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.19 एक फर्म का पिछले तीन वर्षों का लाभ निम्नानुसार है –

2019 – 4000

2020 – 12000 (हानि)

2021 – 32000

औसत लाभों के चार वर्षों के क्रय के आधार पर फर्म कि ख्याति की गणना किजीए।

प्र.20 संचित हानियों के हस्तान्तरण पर लेखांकन प्रविष्टि दीजिये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

➢ <u>लघुउत्तरात्तक प्रश्न</u>

प्र.1 मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी, फर्म से किन किन मदों का भुगतान प्राप्त करने के अधिकारी होते हैं ?

प्र.2 मृतक साझेदार के पूंजी खाते में कौन कौन सी मदें डेबिट की जाती हैं ?

प्र.3 सेवानिवृत्त या मृत साझेदार को देय ख्याति, शेष साझेदारों द्वारा किस अनुपात में वहन की जाती है ? और क्यों ?

प्र.4 किसी साझेदार की मृत्यु होने पर उत्पन्न होने वाली समस्याँए लिखिये।

प्र.5 किसी साझेदार की मृत्यु की तिथि के समय चिट्ठे में बतायी गई ख्याति की राशि को अपलिखित करने के लिए जर्नल प्रविष्टि दीजिये।

प्र.6 किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण और मृत्यु के बीच में लेखांकन की दृष्टि से क्या अन्तर होता है ?

प्र.7 किसी साझेदार की मृत्यु/अवकाश ग्रहण पर नया लाभ विभाजन अनुपात कैसे निकालते हैं ?

प्र.8 मृतक साझेदार को ख्याति में हिस्सा क्यों दिया जाता है ?

प्र.9 यदि कोई साझेदार अवकाश ग्रहण कर लेता है, तो संयुक्त रूप से शेष साझेदारों का हिस्सा बढ़ेगा या कम होगा ?

प्र.10 मृतक साझेदार के वैधानिक उत्तराधिकारी को देय राशि का निर्धारण कैसे किया जाता है ?

प्र.11 यदि अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का अवकाश ग्रहण पर तत्काल भुगतान नही किया जा सके तो आगामी स्थिति विवरण में उसके हिस्से की राशि को कैसे दर्शाया जायेगा ?

प्र.12 किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण पर पुनर्मूल्यांकन खाते को कैसे बन्द करते हैं ?

प्र.13 A, B और C एक फर्म में 5:4:3 के अनुपात में साझेदार हैं। B फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। उसके हिस्से को A और C ने 3:2 के अनुपात में ले लिया। फायदे के अनुपात की गणना करो।

प्र.14 A, B और C एक फर्म में 5:4:3 के अनुपात में साझेदार है। A फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। फर्म कि ख्याति का मूल्यांकन 48,000 पर किया गया। A को देय ख्याति के लिये आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

प्र.15 A, B और C एक फर्म में बराबर के साझेदार हैं। B फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। फर्म में B का ख्याति का हिस्सा 6000 था। बिना ख्याति खाता खाले ख्याति के व्यवहार के सम्बन्ध में आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

प्र.16 x, y और z क्रमशः 4:2:4 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। y ने अवकाश ग्रहण किया। x और z व्यवसाय चालू रखने तथा लाभों को 1:2 में बाँटने के लिये सहमत हुए। संचय कोष में 30,000/—रू. थे। इसके वितरण हेतु आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि कीजिये।

प्र.17 अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के अन्तिम पूंजी शेष को साझेदार के ऋण खाते में हस्तान्तरण हेतु लेखांकन प्रविष्टि कीजिये।

प्र.18 अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का भुगतान करने की विधियों का वर्णन कीजिये।

प्र.19 मृतक साझेदार को किस्तों में भुगतान करने पर प्रतिवर्ष की जाने वाली लेखांकन प्रविष्टियाँ लिखिये।

प्र.20 A, B और C एक फर्म में साझेदार है। C फर्म से सेवानिवृत्त होता है। उसकी सेवानिवृत्त तिथि को उसे 60,000 का भुगतान करना है। A और B ने यह वचन दिया उसे चार समान वार्षिक किस्तों में 12 % ब्याज के साथ भुगतान कर दिया जायेगा। C का ऋण खाता तैयार कीजिये।

दीर्घउत्तरीय प्रश्नः—

प्र.1 फर्म से अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का निर्धारण कैसे किया जाता है ? विस्तार से बताइये।

प्र.2 साझेदार की सेवानिवृत्ति एंव मृत्यु के समय कौन—कौन से समायोजन किये जाते हैं ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

सविस्तार बताइये।

प्र.3 मृतक साझेदार को देय राशि का भुगतान करने कि विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

प्र.4 जब कोई साझेदार वर्ष के मध्य में सेवानिवृत्त होता है, तो एसी दशा में सेवानिवृत होने वाले साझेदार की हिस्सेदारी कि गणना किस प्रकार की जायेगी ? विस्तार से वर्णन करो।

प्र.5 किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति या मृत्यु के समय शेष साझेदार पूंजी का समायोजन अपने लाभ विभाजन अनुपात में करना चाहें तो, ऐसा करने कि प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन कीजिये।

प्र.6 A, B और C एक फर्म में साझेदार थे। वे लाभों को क्रमशः $\frac{1}{2}$, $\frac{1}{3}$ तथा $\frac{1}{6}$ के अनुपात में बाँटते थे। 31.3.2021 को फर्म का स्थिति विवरण इस प्रकार था;

Liabilities	Amt. Rs	Assets	Amt. Rs
Sundry creditors	12,600	Cash at Bank	4100
Provident fund	3,000	Debtors 30,000	
Reserve fund	9,000	Less–provision (1000)	29,000
Capital		Stock	25,000
A	40,000	Investments	10,000
B	36,500	Patents	5,000
C	20,000	Plant & machinery	48,000
	1,21,100		1,21,100

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

उस दिन C ने निम्न शर्तों पर अवकाश ग्रहण किया :

1. फर्म ख्याति का मूल्यांकन 27,000 किया गया , परन्तु उसे नयी फर्म की पुस्तकों में नही दर्शाया जाएगा ।
2. पेटेंट का मूल्य 20 % और प्लांट तथा मशीनरी को 10 % घटाया जाए।
3. संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधन को बढ़ा कर 6 % कर दिया जाए।
4. C ने निवेशों को रू 15,800 में ले लिया ।
5. भविष्य निधि के लिए दायित्व केवल 2500 था।

ख्याति के लेखांकन के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए। पुनर्मूल्यांकन खाता,साझेदारों के पूंजी खाते और C के अवकाश ग्रहण के बाद A और B का स्थिति विवरण बनाइए।

.....

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–05 साझेदारी फर्म का विघटन

बहुविकल्पीय प्रश्नः–

प्र.1 फर्म का विघटन कब होता है ?

(क) जब एक साझेदार की मृत्यु हो जाये

(ख) किसी साझेदार द्वारा अवकाश ग्रहण पर

(ग) नये साझेदार के प्रवेश पर

(घ) समस्त साझेदारों के मध्य साझेदारी सम्बंधों की समप्ति पर ( )

प्र.2 फर्म का विघटन हो सकता हैं

(क) समझौते द्वारा (ख) जब फर्म का व्यवसाय गैर कानूनी हो जाए

(ग) न्यायालय द्वारा (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.3 वसूली खाता कब खोला जाता है ?

(क) फर्म के समापन पर (ख) साझेदार के प्रवेश पर

(ग) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर (घ) साझेदार की मृत्यु पर ( )

प्र.4 वसूली खाता होता है –

(क) व्यक्तिगत (ख) वस्तुगत

(ग) नाममात्र का (घ) सम्पति का ( )

प्र.5 वसूली खाते द्वारा दर्शाये गये लाभ–हानि का विभाजन सभी साझेदारों में किस अनुपात में किया जाता है?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) नये अनुपात में (ख) पुराने अनुपात में
(ग) फायदे के अनुपात में (घ) त्याग के अनुपात में ( )

प्र.6 वसूली खाते को किस खाते में हस्तान्तरित करके बन्द किया जाता है –

(क) सम्पति खाते में (ख) दायित्व खाते में

(ग) लाभ हानि खाते में (घ) साझेदार के पूँजी खाते में ( )

प्र.7 निम्नांकित में से कौनसा खाता वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं होता है –

(क) रोकड़ खाता (ख) फर्नीचर खाता

(ग) मशीन खाता (घ) लेनदारों का खाता ( )

प्र.8 सम्पत्तियों एवं दायित्वों को वसूली खाते में कौन से मूल्य पर हस्तान्तरित किया जाता है ?

(क) लागत मूल्य (ख) बाजार मूल्य

(ग) पुस्तक मूल्य (घ) वसूली खाता ( )

प्र.9 निम्नांकित में से कौनसा खाता वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं किया जाता हैं ?

(क) साझेदारों का पूँजी खाता (ख) लेनदार खाता

(ग) देनदार खाता (घ) सम्पत्ति खाता ( )

प्र.10 साझेदारी फर्म के समापन पर पर सबसे पहले किसका भुगतान किया जाता है?

(क) साझेदार के ऋण (ख) साझेदार के चालू खाते का शेष

(ग) साझेदारों की पूंजी (घ) बाहरी दायित्व ( )

प्र.11 बाहरी दायित्वों में सबसे पहले किसका भुगतान किया जाता है?

(क) सुरक्षित ऋण (ख) असुरक्षित ऋण

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ग) लेनदार (घ) देय बिल ( )

प्र.12 फर्म के समापन पर वसूली खाते के डेबिट पक्ष में किसको हस्तान्तरित किया जाता है?

(क) साझेदार के पूंजी खाते (ख) सम्पतियाँ

(ग) साझेदार के ऋण खाते (घ) दायित्व ( )

प्र.13 वसूली व्ययों का भूगतान करनें पर किस खाते को डेबिट किया जाता हैं?

(क) पूर्नमूल्यांकन खाता (ख) वसूली खाता

(ग) साझेदार के पूंजी खाते (घ) रोकड़ खाता ( )

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. साझेदारी फर्म के विघटन से आप क्या समझते हैं ?
2. सभी साझेदारों की सहमति द्वारा विघटन फर्म का कौनसा विघटन कहलाता हैं ?
3. जब फर्म का व्यवसाय गैर कानूनी हो जाए, तो यह फर्म का कौनसा विघटन कहलाता है ?
4. क्या साझेदारी का समापन और साझेदारी फर्म का समापन दोनों समान है ?
5. समझौते द्वारा विघटन से आप क्या समझते हैं ?
6. क्या फर्म के विघटन पर साझेदारी का विघटन निश्चित होता है ?
7. फर्म के दायित्व किसको कहा जाता है ?
8. साझेदार के व्यक्तिगत दायित्व किसको कहा जाता है ?
9. वसूली खाते की प्रकृति बताइये ?
10. भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 कि कौनसी धारा फर्म के ऋण और व्यक्तिगत ऋणों का वर्णन करती है ?
11. साझेदार B द्वारा रू. 700 वसूली व्यय का भुगतान करनें पर क्या लेखांकन प्रविष्टि होगी?
12. फर्म के विघटन पर संचित हानियों को कौन से खाते में हस्तान्तरित किया जाता है ?
13. फर्म के विघटन पर किसी साझेदार द्वारा लिये गये दायित्व को उस साझेदार की पूंजी खाते के किस पक्ष में हस्तान्तरित किया जायेगा?
14. फर्म के विघटन पर सम्पत्ति पक्ष में दी गई ख्याति को कौनसे खाते में हस्तान्तरित किया जाता है।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

15. फर्म के विघटन पर मशीन बेचने से रू. 2000 प्राप्त हुए। लेखांकन प्रविष्टि दीजिये।
16. फर्म के विघटन पर साझेदारों के चालू खाते के शेष को कौनसे खाते में हस्तान्तरित किया जाता है ।

लघुउत्तरात्मक प्रश्न

1. साझेदार फर्म का विघटन किसे कहते हैं ? साझेदारी का विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में अन्तर बताइये ?
2. किन परिस्थतियों में न्यायालय फर्म के विघटन का आदेश दे सकता है ?
3. साझेदारी फर्म का अनिवार्य विघटन कब होता है ?
4. साझेदारी फर्म के विघटन पर कौन–कौन से खाते बनाये जाते हैं ?
5. फर्म के विघटन पर सम्पतियों के विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग किस क्रम में किया जाता है ?
6. वसूली खाता तैयार करने की प्रक्रिया बताइये।
7. साझेदार फर्म का विघटन के सम्बन्ध में वैधानिक प्रावधानों की व्याख्या कीजिये।
8. साझेदारी फर्म का विघटन किन–किन परिस्थतियों में हो सकता हैं ?
9. साझेदारी फर्म के विघटन पर खातों को बन्द करने की प्रक्रिया और क्रम बताइये ?
10. भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 49 का वर्णन करों ।
11. वसूली व्ययों के सम्बन्ध में निम्नांकित व्यवहारों की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए ।
    1. वसूली व्यय 4000 रूपये
    2. साझेदार B को 10,000 रू. की लागत की सम्पति 9000 रू. में दी गई।
12. निम्नांकित परिस्थतियों में आप A और B के वसूली व्ययों का किस प्रकार लेखा करेगें ?
    1. वसूली व्यय की राशि 5000 का भूगतान A द्वारा किया गया।
    2. वसूली व्यय का वहन A द्वारा किया जायेगा जिसके लिये उसे पारितोषिक रू. 70,000/ दिया जायेगा। A द्वारा वास्तविक व्यय 90,000/किया गया।
13. फर्म के विघटन पर लेनदार रू. 5000 के भुगतान के बदले में रू. 5000 का फर्नीचर लेना स्वीकार कर लेता है तो इस व्यवहार कि लेखांकन प्रविष्टि होगी या नहीं ? यदि हो तो प्रविष्टि दीजिए।
14. दायित्वों के वसूली खाते में हस्तान्तरण की लेखांकन प्रविष्टि कीजिए।
15. A और B लाभों को बराबर बाँटते हुए साझेदार थे। 31–03–2021 को फर्म का विघटन किया गया उस दिन

    विविध लेनदार – 20,000

    देय बिल – 35,000

    पूंजी A 40,000

    B 50,000 90,000

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

फर्म कि विविध सम्पत्तियों कि राशि ज्ञात कीजिये।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. साझेदारी फर्म के विघटन से क्या आशय है ? उन दशाओं का वर्णन कीजिये जिनमें साझेदरी फर्म का विघटन हो जाता है।
2. साझेदारी का विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में अन्तर बताइये?
3. वसूली खाता क्या होता है? वसूली खाते और पुर्नमूंल्यांकन खाते में अन्तर बताइये ?
4. साझेदारी फर्म के विघटन पर साझेदारों के मध्य खातों के निपटारे के सम्बन्ध में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या कीजिये ?
5. साझेदारी फर्म के विघटन की प्रक्रिया समझाए।
6. साझेदारी फर्म के विघटन का आशय बताते हुए, फर्म के विघटन पर की जानें वाली लेखांकन प्रविष्टियाँ लिखिये ?
7. A और B एक फर्म में साझेदार थे जो लाभ हानि बराबर बाँटते है। 31.3.2021 को फर्म का विघटन कर दिया गया जिससे 50,000 रू. कि हानि हूई। इसी तिथि को A और B के पूंजी खाते के शेष क्रमशः 40,000 और 50,000रू. थे। रोकड़ शेष 40,000 था। हानि को साझेदारों के पूंजी खाते में हस्तान्तरण और साझेदारों को अन्तिम भुगतान की लेखांकन प्रविष्टियाँ कीजिए।

8. A, B और C एक फर्म में लाभों को बराबर–बराबर बाँटते हूए साझेदार है। 31.3.2021 को फर्म का विघटन किया गया। इसी तिथि को अन्तर आर्थिक चिट्ठा निम्नानुसार था

Balance sheet

As an 31.3.2021

liabilites	Amount	Assets	Amount
Capital A 30,000 B 30,000 C 3,0000	90,000	Fixed Assets Current Assets Cash at bank	1,00,000 40,000 10,000
Creditors	60,000		
	1,50,000		1,50,000

सभी सम्पत्तियों से पुस्तकीय मूल्य से 10 प्रतिशत कम प्राप्त हुए। लेनदारों को पूर्ण भुगतान कर दिया गया, वसुली के व्यय 500 रू. हूए तथा एक संदिग्ध दायित्व जिसके लिये प्रावधान नहीं किया गया था के 500रू. चुकाया गया।
वसूली खाता, साझदारों के पूंजी खाते और बैंक खाता बनाइये।

9. A और B ने 31.013.2020 के फर्म का विघटन करनें का निश्चय किया इस दिन इनका चिट्ठा निम्न प्रकार था

Balance sheet
As On 31.3.2020

Liabilites	Amount	Assets	Amount
Creditors	1,20,000	Cash In hand	10,000
Bills Payable	20,000	Debtors	1,00,000
General Reserve	30,000	Stock	4,00,000
B"s Loan	1,10,000	Furniture	10,000
Capital		Machinery	2,80,000
A 4,00,000		Building	80,000
B 2,00,000	6,00,000		
	8,80,000		8,80,000

साझेदार बराबर में लाभ विभाजन करते है।
सम्पतियों कि वसूली इस प्रकार हुई –
देनदारों 84,000 , स्टॉक 3,60,000 मशीन 2,24,000 भवन 1,20,000, लेनदारों को 5 प्रतिशत बट्टे पर चुकाया गया और रू.6000 वसूली खर्च चुकाये गए।
आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ देते हुए आवश्यक खाते बनाइये।

10. A, B और C क्रमशः 3:2:1 के अनुपात में लाभ हानि विभाजित करते हैं। 31.3.2021 को फर्म का विघटन करने को सहमत हुए। 31.3.2021 को फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार था।

Balance sheet
As on 31.3.2021

Liabilites	Amount	Assets	Amount
Capital		Cash	600
A "s Capital	25,000	Sundry Assets	36,000
B "s Capital	15,000	C"s Capital A/c	3400
	40,000		40,000

सम्पतियों से रू.30,000 प्राप्त हुए। स दिवालिया हो गया तथा उसकी निजी सम्पत्तियों से केवल 1200 रू ही प्राप्त हो सके । फर्म की पुस्तकें बन्द कीजिए यदि गार्नर बनाम मर्रे नियम लागू नहीं होता है।

.....

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

भाग – 2

अध्याय–1 अंश पूंजी के लिए लेखांकन

➢ **<u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u>**

प्र.1 आवेदक को अंशों का आवंटन होने की दशा में, आवेदन पर प्राप्त राशि का हस्तान्तरण किया जाएगा–

(क) अंश आवेदन खाते में (ख) अंश पूंजी खाते में

(ग) अंश आबंटन खाते में (घ) बैंक खाते में ( )

प्र.2 सही कथन हैः–

(क) निजी कम्पनी अपने अंशों के हस्तान्तरण पर रोक लगाती है।

(ख) निजी कम्पनी अपने अंशों के हस्तान्तरण पर रोक नही लगाती है।

(ग) निजी कम्पनी जनता को अपनी प्रतिभूति के अभिदान के लिए आमंत्रित कर सकती है।

(घ) निजी कम्पनी अपने सदस्यों की संख्या 300 तक सीमित रखती है इसके कर्मचारियों को छोड़कर ( )

प्र.3 एकल व्यक्ति कंपनी की प्रदत्त पूंजी अधिकतम हो सकती है–

(क) 20,00,000 रूपये (ख) 50,00,000 रूपये

(ग) 70,00,000 रूपये (घ) 10,00,000 रूपये ( )

प्र.4 बकाया माँग पर कम्पनी अधिकतम कितनी दर से ब्याज वसूल सकती है–

(क) 6% (ख) 7%

(ग) 10% (घ) 12% ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.5 अधिकतम अंश आवेदन राशि कितनी होती है–

(क) पूर्ण निर्गमित मूल्य (ख) अंकित मूल्य का 25%

(ग) अंकित मूल्य का 5% (घ) निर्गमित मूल्य का 5% ( )

प्र.6 एक अंशधारी का दायित्व कितना हो सकता है, यदि वह अंशों द्वारा सीमित कम्पनी का अंशधारी है–

(क) अंशों के अंकित मूल्य पर (ख) अंशों पर बकाया राशि तक

(ग) कम्पनी के देय दायित्व का आनुपातिक भाग (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.7 ABC लिमिटेड ने xyz लिमिटेड से 540,000 रू. में भवन क्रय किया और इसका भुगतान 100रू. के प्रत्येक अंश जो 20% प्रीमियम पर निर्गमित है पर किया गया। ABC लिमिटेड द्वारा निर्गमित किये जाने वाले अंशों की संख्या होगी।

(क) 5400 (ख) 5000

(ग) 4500 (घ) 6750 ( )

प्र.8 अंशों का पुनः क्रय प्रदत्त पूंजी और मुक्त संचय के .....से अधिक नही हो सकता है।

(क) 20 % (ख) 25 %

(ग) 15 % (घ) 35 % ( )

प्र. 9 पुनः निर्गमित अंशों से सम्बन्धित अंश, अंश हरण खाते में कोई शेष हो तो, इस शेष को माना जावेगा –

(क) आयगत लाभ (ख) पूँजीगत लाभ

(ग) संचालन आय (घ) गैर संचालन आय ( )

प्र.10 प्रतिभूति प्रीमियम खाते के उपयोग हैं –

(क) प्रारम्भिक व्ययों का अपलेखन (ख) अंशों का पुनः क्रय

(ग) बोनस अंशों का निर्गमन (घ) उपर्युक्त सभी ( )

© RSCVP
NOT TO BE REPUBLISHED

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. दो माँगों के मध्य कम से कम ..... का अंतराल होगा।
2. सेबी के अनुसार आवेदन राशि, अंशों के निर्गमित मूल्य का कम से कम ..... % होनी चाहिए।
3. कम्पनी एक ..... व्यक्ति है।
4. कम्पनी अपने हस्ताक्षर के लिए एक विशिष्ट ..... का प्रयोग करती है।
5. एकल व्यक्ति कम्पनी की प्रदत्त पूंजी ..... से अधिक नही हो सकती।
6. सारणी F के अनुसार कम्पनी बकाया माँग पर ..... की दर से ब्याज वसूल सकती है।
7. सारणी F के अनुसार कम्पनी अग्रिम प्राप्त माँग पर ..... की दर से ब्याज देती है।
8. जब कम्पनी अपने ही अंशों का क्रय करती है, तो यह अंशों का ..... कहलाता है –
9. हरण किये गये अंशों के पुनर्निगमन के पश्चात, अंश हरण खाते का शेष ....खाते में हस्तांतरित किया जाता है –
10. अंशों के निर्गमन पर देय बट्टे की राशि कम्पनी के लिये ..... है।

➢ अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. अंशों के दो प्रकार लिखिए।
2. अंश पूंजी किसे कहते है ?
3. अंशधारी किसे कहते हैं ।
4. अंश निर्गमन की प्रक्रिया का पहला चरण कौनसा है।
5. अस्वीकृत आवेदनों की राशि को लौटाने पर क्या जर्नल प्रविष्टि की जाऐगी।
6. अधिक आवेदन राशि प्राप्त होने पर उसके समायोजन की क्या प्रविष्टि होगी ।
7. यथानुपात बंटन किसे कहते है?
8. अधि–अभिदान किसे कहते है?
9. न्यून–अभिदान किसे कहते है?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

10. क्या कोई कम्पनी अंशों का निर्गमन बट्टे पर कर सकती हैं ?
11. अंशों को प्रीमियम पर निर्गमन किसे कहते है?
12. A.B.C ltd ने 10,000 अंश जिनका प्रति अंश मूल्य 10 रू. है। अंशों को 2 रू प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमन किया । जर्नल प्रविष्टि दीजिए।
13. अंशों का बट्टे पर निर्गमन से क्या आशय है?
14. प्रतिभूति प्रीमियम खाते को कम्पनी के स्थिति विवरण में कहाँ दर्शाया जाएगा ?
15. अग्रिम माँग प्राप्ति की जर्नल प्रविष्टि दिजिए।
16. अग्रिम माँग पर ब्याज के भुगतान की क्या जर्नल प्रविष्टि होगी।
17. बकाया माँग पर ब्याज प्राप्ति की जर्नल प्रविष्टि दीजिए।
18. किस प्रकार के अंशों का निर्गमन बट्टे पर किया जा सकता है ?
19. रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल के लिए अंशों का निर्गमन करने पर अंशों की संख्या ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
20. अंश हरण खाते का शेष कौनसे खाते में हस्तांतरित किया जाता है ?

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न–</u>

1. कम्पनी की विशेषताएँ लिखिए।
2. पूर्वाधिकार अंशधारियों को कौन कौन से दो पूर्वाधिकार प्राप्त है ?
3. कम्पनी किसे कहते है ?
4. अंशों द्वारा सीमित कम्पनी से आप क्या समझते है ?
5. एकल व्यक्ति कम्पनी से क्या आशय है ?
6. सार्वजनिक कम्पनी से क्या आशय है ?
7. निजी कम्पनी से क्या आशय है ?
8. अधिकृत अंश पूंजी से क्या आशय है ?
9. निर्गमित पूंजी से क्या आशय है ?
10. अभिदत्त पूंजी से क्या आशय है?
11. माँगी गई या याचित पूंजी से क्या आशय है?
12. प्रदत्त पूंजी से क्या आशय है ?
13. अयाचित पूंजी से क्या आशय है ?
14. आरक्षित पूंजी से क्या आशय है ?
15. बकाया माँग से क्या आशय है ?
16. प्रतिभूति प्रीमियम खाते के उपयोग लिखिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

17. रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल के लिए अंशों के निर्गमन को समझाइए।
18. समता अंश तथा पूर्वाधिकार अंश में अन्तर बताइए।
19. स्वेट समता अंशों से क्या तात्पर्य है ?
20. कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना से आप क्या समझते है ?
21. अग्रिम माँग, बकाया माँग से किस प्रकार भिन्न है ?
22. अंशों के हरण से आप क्या समझते है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

1. कम्पनी को परिभाषित कीजिए। कम्पनी के प्रकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. अंश निर्गमन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए।
3. अंश किसे कहते हैं ? अंशों की विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
4. अंशों के हरण से आप क्या समझते है ? अंशों के हरण सम्बन्धित प्रावधानों का वर्णन कीजिए।
5. पिंकी लिमिटेड ने जनता को 10000 रू अंशों के अभिदान के लिये आमंत्रित किया। अंशों का अंकित मूल्य 10 रू प्रति अंश है। अंशों पर देय राशि इस प्रकार थी।

   आवेदन पर – 5 रू
   आवंटन पर – 3 रू
   प्रथम एवं अन्तिम मॉग– 2 रू

   जनता से 14000 अंशों के क्रय हेतु आवेदन प्राप्त हुए। कम्पनी ने 10000 अंशों के आवंटन के पश्चात अतिरिक्त आवेदनों की राशि लौटा दी। 500 अंशों पर प्रथम एवं अन्तिम मॉग की राशि प्राप्त नही हुई। इन अंशों का हरण कर लिया गया और इन्हें 9 रू प्रति अंश पर पुनर्निर्गमित कर दिया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिये।

.....

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–2 ऋणपत्रों का निर्गमन एवं मोचन

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. ऋण पत्र की विशेषता नहीं है।

   (क) इस पर एक निश्चित ब्याज दर होती है।

   (ख) यह एक विशिष्ट व्यक्ति से लिये गये ऋण की स्वीकृति होती है।

   (ग) ऋणपत्र धारक को मत देने का अधिकार होता है।

   (घ) ऋणपत्र धारक को मत देने का अधिकार नहीं होता है ( )

2. ऋणपत्र होता है।

   (क) अल्पकालीन ऋण (ख) दीर्घकालीन ऋण

   (ग) पूंजी (घ) सम्पत्ति ( )

3. ऋणपत्रधारी होते हैं ।

   (क) कम्पनी के मालिक (ख) कम्पनी के कर्मचारी

   (ग) कम्पनी के ग्राहक (घ) कम्पनी के लेनदार ( )

4. ऋणपत्र होता है।

   (क) ऋण का प्रमाण–पत्र (ख) साख का प्रमाण पत्र

   (ग) बैंक पास बुक (घ) नकद का प्रमाण पत्र ( )

5. ऋणपत्र धारी प्राप्त करते हैं

   (क) किराया (ख) ब्याज

   (ग) लाभ (घ) लाभांश ( )

6. ऋणपत्रों का निर्गमन किया जा सकता है

   (क) सममूल्य पर (ख) प्रीमियम पर

   (ग) बट्टे पर (घ) इन सभी पर ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. ऋणपत्रों के निर्गमन पर होनें वाला व्यय माना जाता है।

(क) आयगत आय (ख) पूंजीगत व्यय

(ग) आयगत व्यय (घ) पूंजीगत आय ( )

8. यदि कोई अन्य सुचना न हो तो, ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम की प्रविष्टि ऋणपत्र .... के साथ की जाती हैं।

(क) आवेदन (ख) आवंटन

(ग) प्रथम मांग (घ) द्वितीय मांग ( )

9. ऋणपत्र क्या प्रदर्शित करते हैं –

(क) अंशधारियों द्वारा विनियोग (ख) संचालकों द्वारा अंशदान

(ग) लम्बी अवधि का ऋण (घ) बैंक ऋण ( )

10. ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान करने से पहले किसका भुगतान किया जाता है –

(क) आयकर (ख) बिक्रीकर

(ग) सेवाकर (घ) जी.एस.टी. ( )

11. कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण के बदले जो प्रमाण पत्र दिया जाता हैं, उसे कहते हैं–

(क) समता अंश प्रमाण पत्र (ख) पूर्वाधिकार अंश प्रमाण पत्र

(ग) ऋणपत्र (घ) प्रतिज्ञा पत्र ( )

12. ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्राप्त प्रिमियम की राशि दिखाई जाती है।

(क) व्यापार खाते में (ख) लाभ हानि खाते में

(ग) सम्पत्ति पक्ष में (घ) दायित्व पक्ष में ( )

13. परिवर्तनशील ऋणपत्र बदले जा सकते हैं।

(क) नकदी में (ख) सम्पति में

(ग) दायित्वों में (घ) अंशों में ( )

14. ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे की राशि दिखाई जाती है।

(क) व्यापार खाते में (ख) लाभ हानि खाते में

(ग) सम्पति पक्ष में (घ) दायित्व पक्ष में ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

15. जब सममूल्य पर निर्गमित ऋणपत्रों का शोधन प्रीमियम पर करना हो तो शोधन पर देय प्रीमियम की राशि होगी–

(क) पूंजीगत लाभ (ख) आयगत लाभ
(ग) शोधन पर लाभ (घ) निर्गमित पर हानि ( )

16. ऋणपत्रों का शोधन किया जा सकता है।

(क) नये अंशों के निर्गमन से (ख) नये ऋणपत्रों के निर्गमन से
(ग) संचित लाभों में से (घ) उपरोक्त सभी से ( )

17. ऋणपत्रों शोधन संचय का शेष अन्तिम रूप से हस्तांतरित किया जाता है।

(क) सामान्य संचय खाते में (ख) ऋणपत्रों शोधन कोष खाते में
(ग) सिंकिंग फण्ड खाते में (घ) ऋणपत्र शोधन कोष विनियोग खाते में ( )

18. एक कम्पनी अपने ऋणपत्रों का शोधन कर सकती है।

(क) परिवर्तन विधि द्वारा (ख) वार्षिक आहरण विधि द्वारा
(ग) खुले बाजार में क्रय द्वारा (घ) उपरोक्त सभी से ( )

19. यदि 2,00,000 के ऋणपत्रों का निर्गमन 20,000 के बट्टे पर किया गया हो, जो कि पाँच वर्षो के बाद शोधनीय हो तो लाभ हानि विवरण से वार्षिक बट्टा अपलिखित किया जायेगा–

(क) 5000 (ख) 4000
(ग) 20,000 (घ) 2000 ( )

20. सिंकिग फण्ड विनियोग खाते के विक्रय पर लाभ को अन्तरित किया जाता है–

(क) सामान्य संचय में (ख) लाभ हानि खाते में
(ग) सिंकिग फण्ड खाते में (घ) पूंजी संचय में ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अति लघुउत्तरात्मक प्रश्नः–

1. ऋण पत्र क्या होता है ?

2. बॉण्ड किसे कहते हैं ?

3. ऋणपत्र और बॉण्ड में क्या अन्तर होता ह ?

4. अंश और ऋणपत्र में कोई एक अन्तर बताइये।

5. ऋणपत्रधारी कौन होते हैं ?

6. ऋणपत्र खरीदने के बदले में ऋणपत्रधारी को क्या प्राप्त होता है ?

7. ऋणपत्रों पर ब्याज की प्रकृति क्या है ?

8. रजिस्टर्ड ऋणपत्र किसको कहा जाता है ?

9. वाहक ऋणपत्र से क्या आशय है ?

10. शोध्य ऋणपत्रों से आप क्या समझते है ?

11. परिवर्तनशील ऋणपत्र किसे कहते हैं ?

12. शून्य कूपन दर ऋणपत्र किसको कहते हैं ?

13. ऋणपत्रों को आर्थिक चिट्ठे के किस पक्ष में दर्शाया जाता है ?

14. साधारण ऋण पत्र किसे कहते हैं ?

15. बन्धक ऋण पत्र से आप क्या समझते हैं ?

16. कूपन दर क्या होती हैं ?

17. पंजीकृत ऋण पत्र और वाहक ऋणपत्रों के निर्गमन में क्या अन्तर हैं।

18. क्रय प्रतिफल के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन से क्या आशय है ?

19. ऋणपत्रों का कटौती पर निर्गमन से क्या आशय है ?

20. क्या कोई कम्पनी अंशों पर लाभांश घोषित करने से पहले अपने ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान कर सकती है ?

21. अधि–अधिदान की स्थिति में ऋणपत्रों के आंवटन के लिए कम्पनी के पास कौन–कौन से विकल्प होते हैं ?

22. ''सहायक प्रतिभूति'' के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन से क्या आशय है ?

23. ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान ऋणपत्रों के निर्गमन मूल्य पर किया जाता है या अंकित मूल्य पर ?

24. सुरक्षित ऋणपत्रों का जोखिम अंशो से कम क्यों होता है ?

25. क्या ऋणपत्र धारियों को कम्पनी के प्रबन्धन में भाग लेने का अधिकार होता है ?

26. क्या प्रत्येक कम्पनी को ऋणपत्र निर्गमित करना आवश्यक होता है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

27. क्या कोई कम्पनी अपने ऋणपत्रों को पुनः क्रय कर सकती है ?

28. कम्पनी द्वारा लिए गए ऋण के लिखित प्रमाण पत्र को क्या कहा जाता है ?

29. क्या SEBI ऋणपत्रों के निर्गमन को नियन्त्रित करता हैं ?

30. क्या सहायक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन ऋणपत्रों पर कोई ब्याज दिया जाता हैं ?

31. ऋणपत्रों के शोधन से आप क्या समझते है ?

32. क्या एक कम्पनी खुले बाजार से अपने ऋणपत्रों का क्रय कर सकती है ?

33. ऋणपत्रों के शोधन के तरीके बताइये ?

34. ऋणपत्रों के लाभ में से शोधन का क्या अर्थ है ?

35. शोधन की एक मुश्त भुगतान पद्वति क्या है ?

36. ऋणपत्रों का परिवर्तन द्वारा शोधन से आप क्या समझते हैं ?

37. ऋणपत्र शोधन कोष किसे कहते हैं ?

38. परिवर्तन द्वारा ऋणपत्रों के शोधन से क्या आशय है ?

39. क्या ऋ़णपत्रों का शोधन पूंजी में से किया जा सकता हैं ?

40. कोई कम्पनी खुले बाजार से अपने ऋणपत्र कब खरीदती है ?

© IKSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

<u>लघुउत्तरीय प्रश्नः–</u>

1. ऋणपत्रों का सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन से क्या आशय है ?

2. ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि किसे कहा जाता है ?

3. ऋणपत्रों का नकद के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के लिए निर्गमन कब–कब किया जा सकता है ?

4. ऋणपत्रों का सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन किये जाने पर कौनसी प्रविष्टि की जाती है ?

5. एक निवेशक अंशों में निवेश करने के बजाय ऋणपत्रों में निवेश को प्राथमिकता क्यों देता है ?

6. क्या यह सच है कि ऋणपत्रों पर ब्याज तभी देय होता है, जब कम्पनी लाभ अर्जित करे ? कारण बताइये।

7. सममूल्य पर निर्गमन , परन्तु प्रीमियम पर शोध्य ऋणपत्र से क्या आशय है ?

8. सममूल्य पर निर्गमित, परन्तु प्रीमियम पर शोध्य ऋणपत्र के लिए कौन–सी रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है ?

9. ABC ltd.ने 100 रू. वाले 20,000 9 प्रतिशत ऋणपत्रों के लिए आवेदन आंमत्रित किये। 30,000 ऋणपत्रों के लिये आवेदन प्राप्त हुए। इन ऋणपत्रों के आवंटन के लिए कम्पनी को कौन–कौन से विकल्प उपलब्ध हैं ?

10. सहायक ऋणपत्र क्या है ?

11. अंशधारक और ऋणपत्र धारक में अंतर बताइये।

12. ऋणपत्र शोधन संचय क्या होता है ?

13. ऋणपत्रों के शोधन के लिए कोषों के विभिन्न स्रोत बताइये ?

14. ऋणपत्र सिंकिग फण्ड क्या होता है ? और इसे क्यों खोला जाता है ?

15. शोधन पर देय प्रीमियम का लेखांकन आप कैसे करेंगे ?

16. ABC ltd. नें 100रू. वाले 5000 8 प्रतिशत ऋणपत्र निर्गमित किए। जिनके लिये आवेदन पर रू. 25, आवंटन पर रू.40 और शेष राशि प्रथम एवं अन्तिम माँग पर देय थी। जनता से समस्त ऋणपत्रों को खरीदने के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए और समस्त राशि यथा समय प्राप्त हो गई। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

17. Z लिमिटेड नें 2,20,000 का एक भवन खरीदा। आधा भुगतान नकदी में कर दिया गया और शेष के लिऐ 12 प्रतिशत ऋणपत्रों का 10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमन कर दिया गया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियॉ कीजिए।

18. P लिमिटेड नें रू.100 वाले 5000, 9प्रतिशत ऋणपत्र 5 प्रतिशत की कटौती पर निर्गमित किए जो पहले वर्ष के अन्त से चार बराबर किस्तों में सममूल्य पर शोध्य थे। 4 वर्षो की अवधि के लिए ''ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती खाता'' बनाइए।

19. R लिमिटेड नें 1 जनवरी 2020 के 100 रू. वाले 5000 6 प्रतिशत ऋणपत्रों का निर्गमन किया। ब्याज हर वर्ष 30 जून और 31 दिसम्बर को अर्द्धवार्षिक आधार पर देय था। ऋणपत्रों के निर्गमन के लिए और 31 दिसम्बर 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये दिये जाने वाले ब्याज के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

20. S लिमिटेड नें 31.3.2020 को 25,00,000 के 9 प्रतिशत ऋणपत्रों का शोधन 5 प्रतिशत प्रीमियम पर, लाभ में से किया। ऋणपत्रों के शोधन के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः–

1. ऋणपत्रों से क्या आशय है ? इसके प्रकारों का वर्णन कीजिये।

2. अंश एवं ऋणपत्र में अन्तर बताइये।

3. रजिस्टर्ड ऋणपत्रों और वाहक ऋणपत्रों के बीच अंतर्भेद कीजिए।

4. क्या नकदी से भिन्न किसी अन्य प्रतिफल के लिए ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर , प्रीमियम पर या कटौती पर किया जा सकता है ? यदि हॉ तो लेखांकन की क्या प्रविष्टियॉ की जाती हैं।

5. ऋणपत्र के निर्गमन पर बट्टे का आप कैसे लेखा करेगें ?

6. ऋणपत्रों का सममूल्य पर, कटौती पर एवं प्रीमियम पर निर्गमन की व्याख्या कीजिये।

7. ऋणपत्रों पर देय ब्याज का लेखांकन कैसे किया जाता है ? बताइये।

8. ऋणपत्रों का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन करो।

9. सहायक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों से आप क्या समझते हैं ? इनकी विशेषताएँ बताइये।

10. शोधन के दृष्टिकोण से ऋणपत्रों के निर्गमन की विभिन्न परिस्थतियों की व्याख्या कीजिए।

11. ऋणपत्रों का शोधन किस प्रकार किया जाता है ? वर्णन कीजिए ।

12. शोधन कोष के निर्माण द्वारा ऋणपत्रों के भुगतान की लेखांकन प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ।

13. ऋणपत्रों के शोधन कि विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए ।

14. ऋणपत्रों के शोधन से क्या आशय है। शोधन के लिये कोषों के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

15. ऋणपत्र शोधन सचंय क्या है ? विस्तार से वर्णन किजीए।

16. ऋणपत्रों का '' पूंजी में से शोधन'' और ''लाभ में से शोधन'' दोनों में अन्तर बताइये। और आपके मतानुसार कौन सी विधि श्रेष्ठ है और क्यों ?

17. नए अंशों के निर्गमन से प्राप्त राशि से ऋणपत्रों के शोधन की व्याख्या कीजिए।

18. 28.2.2015 को वाई लिमिटेड ने रू.50 वाले 7000, 8 प्रतिशत ऋणपत्र 4 प्रतिशत कटौती पर निर्गमित किए। ऋणपत्रों का शोधन चार वर्ष बाद 5 प्रतिशत के प्रीमियम पर

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

किया जाना था। कम्पनी की पुस्तकों में ऋणपत्रों के निर्गमन और शोधन के लिये आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

19. ABC ltd नें रू.50 वाले 5,00,000 7 प्रतिशत ऋणपत्र निर्गमित किए। ऋणपत्रों के निर्गमन के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

जबकि ऋणपत्रों का निर्गमन :–

1. सममूल्य पर तथा शोधन 8 प्रतिशत प्रीमियम पर हो।

2. 4 प्रतिशत प्रीमियम पर तथा शोधन 5 प्रतिशत प्रीमियम पर हो।

3. 5 प्रतिशत पर तथा शोधन सममूल्य पर हो।

20. रोमी लिमिटेड ने, कपिल एण्टरप्राइजेज की रू. 20 लाख की सम्पत्तियाँ तथा रू. 2 लाख के लेनदारों का अधिग्रहण किया। रोमी लिमिटेड ने 100 प्रत्येक वाले 8 प्रतिशत ऋणपत्रों का सम मूल्य पर क्रय करके प्रतिफल स्वरूप निर्गमन किया। रोमी लिमिटेड कि पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये।

21. निम्नलिखित ऋणपत्रों के निगर्मन सम्बन्धी व्यवहारों के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए–

1. ऋणपत्र रू. 100 पर निर्गमित एवं 100 पर शोध्य।
2. ऋणपत्र रू. 100 पर निर्गमित एवं 105 पर शोध्य।
3. ऋणपत्र रू. 105 पर निर्गमित एवं 100 पर शोध्य।
4. ऋणपत्र रू. 95 पर निर्गमित एवं 100 पर शोध्य।
5. ऋणपत्र रू. 95 पर निर्गमित एवं 105 पर शोध्य।
6. ऋणपत्र रू. 105 पर निर्गमित एवं 110 पर शोध्य।

प्रत्येक मामले में ऋणपत्र का अंकित मूल्य रू. 100 है।

....

© ISSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–3 कम्पनी के वित्तीय विवरण

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न

प्र.1 वित्तीय विवरण में शामिल हैं :–

(क) तुलन–पत्र (ख) लाभ व हानि विवरण

(ग) रोकड़ प्रवाह विवरण (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.2 वित्तीय विवरण के बाह्य उपयोगकर्ता है :–

(क) प्रबन्धक (ख) स्वामी

(ग) कर्मचारी (घ) निवेशक ( )

प्र.3 वित्तीय विवरण सहायक है :–

(क) प्रबन्धन हेतु (ख) स्वामी हेतु

(ग) सरकार हेतु (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.4 वित्तीय विवरणों को किस आधार पर तैयार किया जाता है:–

(क) अनुमानित तथ्यों के आधार पर

(ख) अभिलिखित तथ्यों के आधार पर

(ग) बाजार मूल्य के आधार पर

(घ) उपर्युक्त में से कोई नही ( )

प्र.5 अन्तिम रहतिया का मूल्यांकन किया जाता है –

(क) बाजार मूल्य पर

(ख) लागत मूल्य पर

(ग) बाजार मूल्य या लागत मूल्य जो दोनो में से कम हो

(घ) बाजार मूल्य या लागत मूल्य जो दोनो में से अधिक हो ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.6 तुलन पत्र (चिट्ठा) में अंशधारक निधियों को उपविभाजित किया गया है–

(क) अंश पूंजी (ख) संचय एवं आधिक्य

(ग) अंश वारंटो के प्रति प्राप्त धन (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.7 तुलन पत्र की दिनांक के बाद होने वाली घटनाओं तथा आकस्मिकताओं के लिए लेखा मानक हैः–

(क) लेखा–मानक 3 (ख) लेखा–मानक 4

(ग) लेखा–मानक 6 (घ) लेखा–मानक 10 ( )

प्र.8 रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों के लिए लेखा–मानक हैः–

(क) लेखा–मानक 3 (ख) लेखा–मानक 4

(ग) लेखा–मानक 6 (घ) लेखा–मानक 10 ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. वित्तीय विवरणों में लाभ–हानि विवरण को अनुसूची ..... के अनुसार तैयार किया जाता है।
2. वित्तीय विवरणों में स्थिति विवरण को अनुसूची ..... के अनुसार तैयार किया जाता है।
3. विविध लेनदारों को ..... मद से प्रतिस्थापित कर दिया गया है।
4. विविध देनदारों को ..... मद से प्रतिस्थापित कर दिया गया है।

➢ **<u>अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–</u>**

1. वित्तीय विवरणों का क्या अर्थ है ?
2. वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ता के नाम लिखिए।
3. वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय लेखांकन परम्पराओं का उपयोग करने से क्या प्रभाव पड़ता है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

4. अंश वारंट किसे कहते है?
5. प्रारंभिक व्यय किस प्रकार अपलिखित किए जाते है ?
6. दीर्घकालीन ऋण किसे कहते है?
7. कम्पनी द्वारा कर्मचारियों के हित में किए गए व्ययों के नाम लिखिए।
8. अमूर्त सम्पत्तियों की राशि में कमी को क्या कहते है ?
9. स्थायी सम्पत्तियों के मूल्य में कमी को क्या कहते है?
10. वित्तीय विवरणों की कोई एक सीमा बताइए।
11. कम्पनी के तुलन–पत्र में स्थिर सम्पत्ति व अमूर्त सम्पति को किस प्रकार दर्शाया जाएगा –

➢ **<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न–</u>**

1. वित्तीय विवरणों से आप क्या समझते हैं ?
2. वित्तीय विवरण प्रबन्धकों के लिए किस प्रकार सहायक है ?
3. कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसुची III के अनुसार तैयार किया जाने वाला तुलन पत्र कौन कौन सी कम्पनी पर लागू नही होता ?
4. चालू सम्पत्तियों तथा गैर चालू सम्पत्तियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. गैर चालू दायित्व से आप क्या समझते है ?
6. प्रस्तावित लाभांश किसे कहते हैं।
7. प्रचालन/संचालन से आगम में कौन–कौन सी मदें सम्मिलित की जाती हैं ?
8. वित्तीय लागत से क्या आशय है ? उदाहरण दीजिए।
9. कम्पनी के तुलन–पत्र में निम्न मदें किस प्रकार दर्शायी जाऐगी–
   (अ) प्रस्तावित लाभांश
   (स) अमूर्त परिसंपत्तियाँ

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

निबन्धात्मक प्रश्न–

1. वित्तीय विवरणों की उपयोगिता को विस्तार से समझाइए।
2. वित्तीय विवरणों की प्रकृति का वर्णन कीजिए।
3. वित्तीय विवरणों की सीमाओं का वर्णन कीजिए।
4. वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों को विस्तार से समझाइए।
5. अनुसूची III के अनुसार लाभ व हानि विवरण का प्रारूप तैयार कीजिए।

संख्यात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित मदों को तुलन–पत्र में दर्शाइए–

व्यापारिक रहतिया	2,80,000	बैंक	2,70,000
प्राप्त विपत्र	2,40,000	ख्याति	60,000
8% पूर्वाधिकार अंश	4,00,000	भवन	9,50,000
कर हेतु प्रावधान	32,000	नकद	24,000
अंश निर्गमन पर बट्टा	40,000	प्रारंभिक व्यय	4,80,000

2. निम्नलिखित विवरणों से लाभ हानि विवरण बनाइए–

प्रचालन से आगम	15,00,000
अन्य आय	5,00,000
उपभोग की गई सामग्री की लागत	5,00,000
कर्मचारी हित व्यय	4,00,000
ब्याज	10,000
वेतन	20,000
लाभांश	10,000

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

3. निम्नलिखित सूचनाओं से तुलन पत्र बनाइए–

भवन 3,50,000रू, रहतिया 4,00,000रू, समता अंश पूंजी 800000 रू, अधिमान अंश पूंजी 3,00,000रू, ऋणपत्र शोधन कोष 3,00,000रू, देय विपत्र 75,000रू, कराधान हेतु प्रावधान 1,25000रू, मशीनरी 8,00,000 रोकड़ 2,50,000रू , गैर–चालू निवेश 5,00,000रू अदत्त व्यय 1,00,000रू , 10% ऋणपत्र 6,00,000रू

4. ABC लिमिटेड की निम्न मदों को तुलन–पत्र में दर्शाइए–

1. 10% ऋणपत्र	35,00,000रू
2. 8% पूर्वाधिकार अंश	40,00,000रू
3. लेनदार	5,00,000रू

.....

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–4 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न

1. व्यवसाय के रोकड़ अंतर्वाह व बहिर्वाह को दर्शाने वाला विवरण है–

(क) तुलनात्मक विवरण (ख) सामान्य आकार विवरण

(ग) रोकड़ प्रवाह विवरण (घ) अनुपात विश्लेषण ( )

2. तुलनात्मक विवरण विश्लेषण में कितनी लेखांकन अवधियों के वित्तीय विवरणों की आवश्यकता होती है–

(क) केवल एक वर्ष (ख) दो या दो से अधिक लेखा अवधि

(ग) A व B दोनो (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

3. वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें है–

(क) अनुपात विश्लेषण (ख) रोकड़ प्रवाह विवरण

(ग) तुलनात्मक वित्तीय विवरण (घ) उपर्युक्त सभी ( )

4. सामान्य आकार विवरण में कुल सम्पत्तियों व दायित्वों को किसके समान माना जाता है।

(क) 100 (ख) 200

(ग) 1000 (घ) 300 ( )

5. अमन लिमिटेड के तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण में वर्ष 2020 व 2021 में प्रचालन से आगम क्रमशः 60,00,000रू व 75,00,000रू है। प्रचालन से आगम में कितना प्रतिशत परिवर्तन हुआ है–

(क) 25% (ख) 125%

(ग) 1.25% (घ) 12.5% ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

➢ अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. वित्तीय विवरण विश्लेषण की किन्ही तीन तकनीकों के नाम लिखिए।
2. तुलनात्मक विवरण को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
3. सामान्य आकार विवरण को अन्य किस नाम से जाना जाता ह?
4. तुलनात्मक विवरण में प्रतिशत परिवर्तन (वृद्वि/कमी) को ज्ञात करने का सूत्र बताइए।

➢ लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से क्या तात्पर्य है ?
2. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के महत्व के बारे में बताइए।
3. श्रम संगठन हेतु वित्तीय विवरणों का विश्लेषण किस प्रकार सहायक हो सकता है ?
4. तुलनात्मक वित्तीय विवरण से क्या तात्पर्य है ?
5. समरूप या सामान्य आकार विवरण से क्या आशय है ?
6. रोकड़ प्रवाह विश्लेषण को समझाइए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

1. निम्न के लिए वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्व बताइये –
   - अ. वित्त प्रबंधक
   - ब. उच्च प्रबन्धक
   - स.. त्रणदाता
   - द. निवेशक

2. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के उद्देश्यों के बारे में बताइये।

3. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की निम्न तकनीकों को विस्तार से समझाइये।
   1. तुलनात्मक विवरण
   2. समरूप /सामान्य आकार विवरण
   3. अनुपात विश्लेषण

4. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सीमाओं का वर्णन कीजिये –

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

संख्यात्मक प्रश्न –

1. निम्नलिखित मदों से तुलनात्मक लाभ हानि विवरण तैयार कीजिये –

विवरण	नोट संख्या	2019–20	2020–21
प्रचालन से आगम		3000000	4000000
अन्य आय		100000	120000
व्यय		1000000	1200000
आयकर		35 प्रतिशत	35 प्रतिशत

2. निम्नलिखित मदों से तुलनात्मक लाभ हानि विवरण तैयार कीजिये –

विवरण	नोट संख्या	2019–20	2020–21
प्रचालन से आगम		2000000	1500000
अन्य आय		50000	40000
उपभोग की गयी सामग्री की लागत		500000	400000
रहतिये मे परिवर्तन		10000	(15000)
कर्मचारी हित व्यय		170000	170000
अन्य व्यय		70000	35000
ब्याज		10000	10000
विक्रय एवं वितरण व्यय		35000	20000

3. 31 मार्च 2020 व 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये तुलनात्मक तुलन पत्र तैयार कीजिये।

तुलन पत्र

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2020	31 मार्च 2021
समता व देयतायें			
क. अंशधारक निधि			
अंशपूँजी		4000000	3000000
संचय		600000	800000
ख. गैर चालू देयतायें			
दीर्घकालीन ऋण		1800000	1200000
ग. चालू देयतायें		600000	400000
योग		**7000000**	**5400000**
परिसम्पत्तियॉ			
क. गैर चालू परिसम्पत्तियॉ			
स्थायी परिसम्पत्तियॉ			
मूर्त सम्पत्तियॉ		4000000	3000000
अमूर्त सम्पत्तियॉ		1800000	1200000
ख. चालू परिसम्पत्तियॉ			
बैंक		600000	800000
रहतिया		600000	400000
योग		**7000000**	**5400000**

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

4. निम्नलिखित मदों से समरूप आय विवरण तैयार कीजिये –

विवरण	31 मार्च 2020	31 मार्च 2021
प्रचालन से आगम	1900000	2000000
बेचे गये माल की लागत	1000000	1000000
प्रचालन व्यय	40000	60000
गैर प्रचालन व्यय	12000	13000
वेतन	20000	15000
ब्याज	15000	18000
ह्रास	14000	20000

5. निम्नलिखित मदों से समरूप तुलन पत्र तैयार कीजिये –

विवरण	अमन लि.	नमन लि.
समता व देयतायें		
क. अंशधारक निधि		
अंशपूँजी	800000	800000
संचय	400000	500000
ख. चालू दायित्व		
लेनदार	50000	40000
अदत्त व्यय	10000	30000
योग	**1260000**	**1370000**
परिसम्पत्तियॉ		
क. गैर चालू परिसम्पत्तियॉ		
मूर्त सम्पत्तियॉ	700000	900000
अमूर्त सम्पत्तियॉ	500000	400000
ख. चालू परिसम्पत्तियॉ		
देनदार	40000	30000
प्राप्य विपत्र	20000	40000
योग	**1260000**	**1370000**

@ RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–5 लेखांकन अनुपात

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. चालू अनुपात का सूत्र है।

   (क) चालू सम्पति/चालू दायित्व (ख) चालू सम्पति + चालू दायित्व

   (ग) चालू सम्पति – चालू सम्पति (घ) चालू सम्पति x चालू सम्पति ( )

2. यदि चालू अनुपात 3:1 है चालू सम्पतियॉ 3,00,000 रू है, तो चालू दायित्व ज्ञात कीजिए।

   (क) 100,000 रु (ख) 2,00,000 रु

   (ग) 1,50,000 रु (घ) 4,00,000 रु ( )

3. आदर्श चालू अनुपात है।

   (क) 2: 1 (ख) 1:1

   (ग) 1:2 (घ) 5:1 ( )

4. तरल अनुपात का सूत्र है।

   (क) चालू सम्पति / चालू दायत्वि (ख) तरल सम्पतियॉ / चालू दायित्व

   (ग) समता / कुल देयता (घ) उपर्युक्त में से कोई नही ( )

5. एक कम्पनी के 5,00,000 के 8 % त्रणपत्र है। ब्याज एवं कर से पूर्व उसका लाभ 2,00,000 रू है। ब्याज आवरण अनुपात भी गणना कीजिए ।

   (क) 5 गुना (ख) 4 गुना
   (ग) 3 गुना (घ) 2 गुना ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6. निम्नलिखित मदों में से किसे चालू अनुपात की गणना में ध्यान में नही रखा जाता है।

(क) लेनदार (ख) देनदार
(ग) फर्नीचर (घ) बैंक अधिविकर्ष ( )

7. आदर्श तरल अनुपात है।

(क) 5 : 1 (ख) 2:1
(ग) 3:1 (घ) 1:1 ( )

8. संचालन अनुपात है।

(क) लाभप्रदता अनुपात (ख) निष्पादन अनुपात
(ग) शोधन क्षमता अनुपात (घ) इनमे से कोई नही ( )

9. लाभप्रदता अनुपात को सामान्यतः प्रदर्शित किया जाता है।

(क) गुना में (ख) प्रतिशत में
(ग) साधारण अनुपात में (घ) विशेष अनुपात में ( )

10. चालू सम्पति में शामिल नही है।

(क) नकद (ख) स्टॉक
(ग) बैंक में जमा (घ) मशीन ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. लेखांकन अनुपात का अर्थ लिखिए।

2. अनुपात विश्लेषण का कोंई एक उद्देश्य बताइए ।

3. लेखांकन अनुपात में, दो मदों के मध्य सम्बन्ध को किन–किन रूपों में व्यक्त किया जा सकता है।

4. अनुपात विश्लेशण का कोई एक लाभ बताइए ।

5. अनुपात का वर्गीकरण कितने प्रकार से किया जा सकता है।

6. चालू अनुपात किसे कहते है।

7. चालू सम्पतियों में से क्या घटाने पर तरल सम्पतियॉ प्राप्त होती है।

8. अनुपात विश्लेषण का अर्थ बताइये ।

9. अनुपात विश्लेषण की दो सीमाएँ बताइये।

10. लेखांकन अनुपात का कोई एक उपयोग बताइये।

11. तरलता अनुपात से आप क्या समझते है ?

12. किन्ही दो तरलता अनुपातों के नाम लिखिये।

13. चालू दायित्वों के नाम बताइये।

14. चालू सम्पतियों के नाम बताइये।

15. पूर्वदत व्ययों को तरल सम्पति क्यों नही माना जाता है।

16. माना कि चालू अनुपात 2ः 1 है। यदि किसी देनदार से प्राप्य बिल प्राप्त होता है, तो चालू अनुपात पर क्या प्रभाव पडेगा और क्यों ?

17. ऋण शोधन क्षमता अनुपात को समझाइये।

18. स्वामित्व अनुपात क्या होता है ?

19. स्वामित्व अनुपात की गणना का सूत्र लिखिये ।

20. ब्याज अर्जन अनुपात क्या होता है।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

21. क्रियाशीलता अनुपात का अर्थ बताइये।

22. स्टॉक आर्वत अनुपात की गणना का सूत्र लिखिये ।

23. यदि स्टॉक आर्वत अनुापत ऊँचा होता है, तो इससे क्या आशय निकलता है ?

24. देनदार आवर्त अनुपात को समझाइये।

25. देनदार आवर्त अनुपात की गणना का सूत्र लिखिये ।

26. कार्यशील पूँजी से आप क्या समझते है ?

27. चालू सम्पतियों में से चालू दायित्व घटाने पर क्या प्राप्त होता है ?

28. सकल लाभ अनुपात गणना का सूत्र लिखिये ।

29. सकल लाभ अनुपात किसे कहा जाता है ?

30. शुद्ध लाभ अनुपात को समझाइये।

31. लाभप्रदता अनुपात की गणना का सूत्र लिखिये।

32. विनियोग प्रत्याय अनुपात किसे कहा जाता है।

33. प्रति अंश आय ज्ञात करने का सूत्र लिखिये।

34. प्रति अंश आय से आप क्या समझते है ?

35. संचालन व्यय किसे कहते है ?

36. गैर चालू सम्पतियों से क्या आशय है ? इनके कोई दो नाम बताइये ।

37. दीर्घकालीन शोधन क्षमता से क्या आशय है ?

38. ऋण समता अनुपात 1: 2 पर उधार माल क्रय करनें का प्रभाव बताइये ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

39. ऋण समता अनुपात में समता से क्या आशय है।

40. अंशपूंजी के निर्गमन से स्वामित्व अनुपात बढता है या घटता है ?

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न–</u>

1. अनुपात विश्लेषण के कोई दो लाभ समझाइए।
2. SWOT विश्लेषण में अनुपात विश्लेषण किस प्रकार सहायक है।
3. अनुपात विश्लेषण , तुलनात्मक विश्लेषण में किस प्रकार सहायक है।
4. अनुपातों के वर्गीकरण के प्रकार बताइये ।
5. चालू अनुपात के महत्व को समझाइए ।
6. तरल सम्पतियों से आप क्या समझते हो ?
7. द्रवता अनुपात क्यों ज्ञात किया जाता है ?
8. अनुपातों की अभिव्यक्ति किन किन रूपों में की जा सकती है ?
9. तरलता अनुपात कि गणना क्यों कि जाती है और इसमें कौन कौन से अनुपातों की गणना होती है ?
10. वे कौनसी सम्पतियॉ होती है जिन्हे चालू सम्पतियों में शामिल नही किया जाता है ?
11. कृत्रिम सम्पतियॉ किसे कहते है ?
12. ऋण शोधन क्षमता अनुपात की गणना क्यों कि जाती है ?
13. स्वामित्व अनुपात किसे कहा जाता है ?
14. ऋण शोधन क्षमता अनुपात को समझाइये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

15. क्रियाशीलता अनुपात का वर्णन कीजिये ।

16. चालू अनुपात की गणना क्यों की जाती है ?

17. तरल अनुपात भी गणना का कारण बताइये ?

18. परिचालन अनुपात से क्या आशय है ?

19. निवेश पर प्रत्याय को समझाइये।

20. प्रति अंश आय को समझाइये।

21. स्वामित्व अनुपात के कम या अधिक होने का क्या प्रभाव होता है ?

22. यदि स्कन्ध आवर्त अनुपात 6 बार हो तो औसत संग्रह अवधि कितनी होगी ?

23. यदि स्टॉक आवर्त अनुपात गत वर्ष से कम हो तो इससे क्या निष्कर्ष निकलता है ?

24. अधिक देनदार आवर्त अनुपात क्या व्यक्त करता है ?

25. विक्रय पर आधारित कोई दो लाभदायकता अनुपात बताइये।

26. एक कम्पनी का सकल लाभ अनुपात 40 % है। वेतन में 10,000 रू अधिक भुगतान करने पर सकल लाभ अनुपात पर क्या प्रभाव पडेगा ? कारण सहित बताइये।

27. यदि संचालन अनुपात 82.40% है, तो संचालन लाभ अनुपात क्या होगा ?

28. यदि विक्रय – 2,00,000 रू है। और संचालन लाभ अनुपात 20 % है। संचालन लागत बताइये।

29. स्टॉक आवर्त अनुपात का महत्व बताइये।

30. औसत रहतिया ज्ञात करने का सूत्र लिखिये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

निबंधात्मक प्रश्न–

1. अनुपात विश्लेषण किसे कहते हैं ? अनुपात विश्लेषण के उद्देश्य स्पष्ट कीजिये।

2. अनुपात विश्लेषण के लाभों को समझाइये।

3. लेखांकन अनुपात से आप क्या समझते हैं ? इसके महत्व का वर्णन कीजिये।

4. लेखांकन अनुपातों की सीमाओं का वर्णन कीजिये।

5. ''लेखांकन अनुपात गुणात्मक कारकों की अवहेलना करता है और यदि अलग – अलग फर्म अलग – अलग लेखांकन नीतियों का अनुसरण करें तो तुलनीय भी नहीं होते हैं।'' स्पष्ट कीजिये।

6. लेखांकन अनुपातों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये।

7. तरलता अनुपातों की गणना करते समय किन – किन चालू सम्पत्तियों एवं चालू दायित्वों को सम्मिलित किया जाता है ?

8. चालू अनुपात और त्वरित अनुपात में अन्तर बताइये।

9. क्रियाशीलता अनुपात किसे कहते हैं ? इसके प्रकारों का वर्णन कीजिये।

10. लाभदायकता अनुपात को समझाते हुए इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये।

11. रामू लिमिटेड का चालू अनुपात 3 : 1 है। यदि इसका रहतिया 30,000 रू और कुल चालू दायित्व 60,000 रू हों तो त्वरित अनुपात ज्ञात कीजिये।

12. निम्नलिखित सूचनाओं से ऋण समता अनुपात की गणना कीजिये।

कुल बाहरी दायित्व	–	5,00,000 रू
तुलन पत्र का योग	–	10,10,000 रू
चालू दायित्व	–	1,00,000 रू
काल्पनिक परिसम्पत्तियॉ–		10,000 रू

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

13. कुल सम्पत्ति ऋण अनुपात की गणना कीजिये।

अंशधारियों के कोष	–	2,00,000 रू
कुल ऋण	–	4,50,000 रू
चालू दायित्व	–	50,000 रू

14. निम्नलिखित सूचनाओं से स्कन्ध आवर्त अनुपात की गणना कीजिये।

विक्रय	–	4,00,000 रू
औसत रहतिया	–	55,000 रू
सकल हानि अनुपात	–	10 %

15. ए.बी.सी. लिमिटेड अपना माल नकद व उधार दोनों तरह से बेचती है। वर्ष 2020–21 के लिये उनकी पुस्तकों से निम्नांकित विवरण लिये गये हैं।

कुल विक्रय	–	1,50,000 रू
नकद विक्रय	–	30,000 रू
विक्रय वापसी	–	10,500 रू
देनदारों का का अन्तिम शेष	–	13,500 रू
प्राप्य बिलों का अन्तिम शेष	–	3,000 रू

औसत वसूली अवधि की गणना कीजिये।

16. एक कम्पनी की चालू सम्पत्तियॉ 3,40,000 रू और चालू दायित्व 1,40,000 रू थे। उसके बाद कम्पनी ने 60,000 रू का माल क्रय किया। माल क्रय करने के पश्चात चालू अनुपात की गणना कीजिये।

17. एक कम्पनी की चालू सम्पत्तियॉ 9,00,000 रू थीं। उसका चालू अनुपात 3 : 0 और तरल अनुपात 1 : 2 है। चालू दायित्वों, तरल सम्पत्तियों और रहतिये की राशि की गणना कीजिये।

18. दी गई सूचनाओं से स्कन्ध आवर्त अनुपात की गणना कीजिये।

विक्रय	–	4,00,000 रू
सकल लाभ	–	25 %
प्रारम्भिक रहतिया अन्तिम रहतिये का	–	25 %
अन्तिम रहतिया विक्रय का	–	20 %

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

19. निम्न सूचनाओं से सकल लाभ अनुपात की गणना कीजिये।

विक्रय	–	4,00,000 रू
सकल लाभ लागत पर	–	25 %

20. निम्न सूचनाओं से संचालन अनुपात ज्ञात करें।

सकल विक्रय	–	8,20,000 रू
विक्रय वापसी	–	20,000 रू
विक्रय लागत	–	6,00,000 रू
संचालन व्यय	–	1,20,000 रू

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय–6 रोकड़ प्रवाह विवरण

1. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. रोकड़ प्रवाह विवरण में कौनसी क्रियाएँ शामिल है –
   (A) संचालन संबंधी क्रियाएँ (B) निवेश संबंधी क्रियाएँ
   (C) वित्त संबंधी क्रियाएँ (D) उपर्युक्त सभी ( )

2. X लिमिटेड से लाभांश प्राप्त किया यह किस प्रकार की क्रिया है–
   (A) संचालन संबंधी क्रिया (B) निवेश संबंधी क्रिया
   (C) वित्त संबंधी क्रिया (D) उपर्युक्त सभी ( )

3. 400,000 रु. की सम्पत्ति बेची। यह अन्तर्वाह किस प्रकार की क्रिया है–
   (A) संचालन संबंधी क्रिया (B) निवेश संबंधी क्रिया
   (C) वित्त संबंधी क्रिया (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

4. उस तकनीक का नाम बताइए जिससे किसी संस्था के रोकड़ अन्तर्वाह तथा बहिर्वाह का समावेश हो–
   (A) अनुपात विश्लेषण (B) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण
   (C) प्रवृत्ति विश्लेषण (D) तुलनात्मक विश्लेषण ( )

5. एम लिमिटेड को ब्याज का भुगतान किया। यह किस प्रकार की क्रिया होगी–
   (A) संचालन संबंधी क्रियाएँ (B) विनियोग संबंधी क्रियाएँ
   (C) वित्त संबंधी क्रियाएँ (D) उपर्युक्त में से कोई नही ( )

6. एक कम्पनी की उधार विक्रय 500,000 रु. है तथा देनदार व प्राप्य विपत्र का प्रारंभिक शेष 25,000रु. है वर्ष में देनदारों से प्राप्ति 490000 है, तो देनदार व प्राप्य विपत्र का अन्तिम शेष होगा–
   (A) 525000 (B) 35000
   (C) 500,000 (D) 490000 ( )

7. बेचे गए माल की लागत 100,000 रु. है। प्रारंभिक व अन्तिम स्टॉक क्रमशः 10,000 व 20,000 है तो क्रय की राशि होगी–
   (A) 110,000 (B) 120,000
   (C) 130,000 (D) 140,000 ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

8. रोकड़ प्रवाह में वृद्धि होगी–
   (A) चालू संपति में वृद्धि से (B) चालू संपति में कमी से
   (C) चालू दायित्व में वृद्धि से (D) चालू दायित्व में कमी से ( )

9. यदि वर्ष का शुद्ध लाभ 40,000 है । प्रारंभिक व अंतिम देनदार क्रमशः 5000 व 8000 है तो परिचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह होगा–
   (A) 37000 (B) 43000
   (C) 42000 (D) इनमें से कोई नही ( )

10. 40,000 रु. की पुस्तक मूल्य को 12000 रु. के लाभ पर बेचने पर रोकड़ प्रवाह होगा–
   (A) 42000 (B) 52000
   (C) 28000 (D) 55000 ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. रोकड़ प्रवाह विवरण लेखा मानक ..... के अनुसार तैयार किए जाते हैं।
2. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय शुद्ध लाभ में, रहतिये में वृद्धि को .... जायेगा।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय शुद्ध लाभ में चालू संपति में कमी को..... ....जायेगा।
4. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय शुद्ध लाभ में चालू दायित्व में कमी को..... .....जायेगा।
5. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय शुद्ध लाभ में लेनदारों में वृद्धि को..... जायेगा।
6. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय प्रचालन क्रियाकलाप में आयकर भुगतान को..... .....जाता है।
7. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय बैंक ऋण का भुगतान.....क्रियाओं से संबधित माना जाता है।
8. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय समता अंश पूंजी का निर्गमन.....क्रियाओं से संबंधित है।
9. रोकड़ प्रवाह विवरण में भूमि का क्रय..... क्रियाओं से संबंधित है।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

<u>अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–</u>

1. रोकड़ प्रवाह का विवरण किसे कहते है?
2. रोकड़ प्रवाह से आप क्या समझते है?
3. उस मद का नाम लिखिए जिसमें प्रचालन क्रिया से रोकड़ का बहिर्वाह होता है ?
4. उस मद का नाम लिखिए जिसमें वित्तिय क्रिया से रोकड़ का बहिर्वाह होता है ?
5. उस मद का नाम लिखिए जिसमें विनियोग क्रिया से रोकड़ का अन्तर्वाह होता है ?
6. गैर रोकड़ व्यवहार का एक उदाहरण दीजिए।
7. रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करने की दो विधियों के नाम लिखिए।
8. रोकड़ प्रवाह विवरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा यदि बैंक में रोकड़ जमा कराई जाए ?
9. एक वित्त कंपनी द्वारा (ABC Finance Co.) दिया गया ऋण रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय कौनसी क्रिया में शामिल किया जाऐगा।
10. रोकड़ प्रवाह विवरण की कोई एक सीमा बताइए।

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न–</u>

1. रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के क्या उद्देय है?
2. रोकड़ प्रवाह विवरण क्या है? समझाइए।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण कि विभिन्न क्रियाओं के नाम लिखिए।
4. रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने की विधियों के नाम लिखिए।
5. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह से आप क्या समझते है ?
6. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह से आप क्या समझते है ?
7. वित्तिय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह से आप क्या समझते है ?
8. प्रस्तावित लाभांश से आप क्या समझते है ?
9. रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करते समय ब्याज व लाभांश संबंधी मद किस प्रकार दर्शाऐंगे?
10. गैर–रोकड़ व्यवहार से आप क्या समझते है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

निबंधात्मक प्रश्न–

1. रोकड़ प्रवाह विवरण के विभिन्न क्रियाकलापों को विस्तार से समझाइये।
2. रोकड़ प्रवाह विवरण के लाभ बताइये।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण की निम्न मदों को विस्तार से समझाइये।

(A) असाधारण मदे

(B) ब्याज व लाभांश

4. प्रचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिये। (अप्रत्यक्ष विधि)
5. रोकड़ प्रवाह विवरण की निम्न मदो को विस्तार से समझाइए।

(A) आय व लाभों पर कर

(B) गैर–रोकड़ लेनदेन

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

संख्यात्मक प्रश्न–

1. रहतिये के लिए रोकड़ भुगतान की गणना कीजिए–

प्रारंभिक रहतिया	30,000
उधार क्रय	100,000
अंतिम रहतिया	38,000
प्रारंभ में व्यापारिक देय	10,000
अंत में व्यापारिक देय	14,000

2. ABC लिमिटेड का लाभ हानि विवरण निम्न है–

लाभ हानि विवरण
31 मार्च 2021

विवरण	नोट संख्या	राशि
(1) प्रचालन से आगम		50,000
(2) व्यय– उपभोग की गई सामग्री की लागत		25,000
व्यापारिक रहतिये का क्रय		250,000
अन्य व्यय		1,50,000
(3) कर से पूर्व लाभ		75,000

अन्य सूचनाएँ

1. चालू संपति में कमी 15000रु.
2. चालू संपति में वृद्धि 2,500रु.
3. चालू दायित्व में वृद्धि 7,500रु.
4. चालू दायित्व में कमी 1,500रु.
5. ह्रास 2500रु.

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र–1

उ.मा.वि.परीक्षा 2022

विषय–लेखाशास्त्र

खण्ड–अ

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है) **30×1=30**

प्र.1 अलाभकारी संस्थाओं का मूल उद्देश्य है–

(क) व्यवसाय करना
(ख) लाभ कमाना
(ग) जन कल्याणकारी कार्य करना
(घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.2 साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों को पूंजी पर किस दर से ब्याज देय होगा–

(क) 6 % वार्षिक (ख) पूंजी ब्याज नही दिया जायेगा

(ग) 12 % वार्षिक (घ) 10 % वार्षिक ( )

प्र.3 फर्म की सम्पत्तियों में हिस्सा प्राप्त करने के लिए नए साझेदार द्वारा लाई जाने वाली राशि को क्या कहते है–

(क) पूंजी (ख) ख्याति
(ग) औसत लाभ (घ) संचय ( )

प्र.4 अंशों के लिए आवेदन करने पर जर्नल प्रविष्टि होगी–

(क) Bank a/c Dr.
To share application
(ख) share Application a/c Dr.
To share capital a/c
(ग) share Allotment a/c Dr.
To share Capital
(घ) share Application a/c Dr.
To Bank a/c ( )

प्र.5 अंशों का हरण क्यों किया जाता है–

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) माँग राशि को भुगतान न करने पर

(ख) माँग राशि का अग्रिम भुगतान पर

(ग) अंश हस्तान्तरण करने पर

(क) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.6 ऋणपत्र धारी कम्पनी के लिए होते है।

(क) कम्पनी के स्वामी (ख) कम्पनी के ऋणदाता

(ग) कम्पनी के कर्मचारी (घ) कम्पनी के ग्राहक ( )

प्र.7 ऋणपत्र को समपार्श्विक प्रतिभूतियों के रूप में निर्गमित करने पर क्या प्रविष्टि होगी–

(क) Debenture Suspense a/c Dr.

To Debenture a/c

(ख) cash a/c Dr.

To Debenture a/c

(ग) cash a/c Dr.

To Debenture application a/c

(क) उपर्युक्त में से कोई नही। ( )

प्र.8 X लिमिटेड ने 11,52,000रू. की सम्पति खरीदी, जिसका भुगतान 100रू. के अंकित मूल्य वाले ऋणपत्रों से 96रू. प्रति ऋणपत्र की दर पर किया गया हैं। विक्रेता को निर्गमित किए जाने वाले ऋणपत्रों की संख्या होगी–

(क) 12,000 (ख) 15,000

(ग) 17,000 (घ) 16,000 ( )

प्र.9 वित्तीय विवरण उपयोगी है–

(क) प्रबन्धक के लिए (ख) अंशधारियाँ के लिए

(ग) कर्मचारियों के लिए (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.10 समरूप/समान आकार विवरण को अन्य किस नाम से जाना जाता है।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) अनुलंब विश्लेषण (ख) क्षैतिज विश्लेषण

(ग) क्रियाशील विश्लेषण (घ) कियाशील विश्लेषण ( )

प्र.11 मधु लिमिटेड के तुलनात्मक लाभ हानि विवरण वर्ष 2020 व 2021 में प्रचालन से आगम क्रमशः 16,00,000रू. व 20,00,000 रू. है प्रचालन से आगम में अनुपातिक प्रतिशत क्या होगा–

(क) 30% (ख) 25%

(ग) 20% (घ) 40% ( )

प्र.12 यदि चालू अनुपात 2:1 है तथा चालू दायित्व 1,00,000रू.है तो चालू सम्पत्तियाँ होगी–

(क) 2,00,000रू. (ख) 1,00,000रू.

(ग) 3,00,000रू. (घ) 4,00,000रू. ( )

प्रश्न–2 रिक्त स्थान भरिए (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है) **1×6=6**

1. साझेदारी संलेख के अभाव में लाभ हानि अनुपात ..... होता है।
2. दो माँगों के बीच कम से कम ..... माह का अन्तर होना चाहिए।
3. ऋणपत्रधारी कम्पनी के ..... होते है।
4. ब्याज लाभों पर ..... है।
5. रोकड़ में हुए परिवर्तनों के कारण के विश्लेषण की विधि को ..... कहते है।
6. प्रति अंश अर्जन का सूत्र ..... है।

प्रश्न–3 अति लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है) **1×12=12**

1. अलाभकारी संस्थाओं द्वारा बनाए जाने वाले वित्तिय विवरणों के नाम लिखिए।
2. पूंजी खाते रखने की विधियों के नाम लिखिये
3. अधि–अभिदान से आप क्या समझते है?
4. सुरक्षित ऋणपत्र किसको कहते है?
5. ऋणपत्रों के निर्गमन से हानि से क्या आशय है?
6. 100रू. 1000, 10 प्रतिशत ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किए,जर्नल प्रविष्टि दीजिए।
7. A लिमिटेड द्वारा 4,00,000रू. के ऋणपत्रों को 2 प्रतिशत प्रिमियम पर शोधन करने की जर्नल प्रविष्टि क्या होगी?
8. ऋणपत्रों के पूंजी में से शोधन से आप क्या समझते है?
9. आस्थगित कर दायित्व किसे कहते है?
10. तुलनात्म्क वित्तिय विवरणों के नाम लिखिए।
11. वित्तिय विवरण विश्लेषण की किन्ही दो तकनीकों के नाम लिखिएं।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

12. कोई दो क्रियाशील अनुपातों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u> (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है) **2×13=26**

प्रश्न–4 प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–5 एक साझेदार की वर्ष के अन्त की पूंजी 100,000रू. थी। वर्ष के लाभों में हिस्सा 25,000 रू. था तथा उसका आहरण 10,000 रू. था तो बताइए साझेदार की प्रारम्भिक पूंजी क्या होगी।

प्रश्न–6 फर्म की पुस्तकों में ख्याति 2,60,000रू. दर्शायी गयी है जबकि उसका वर्तमान मूल्य रू.5,00,000रू. मूल्यांकित किया गया। नया साझेदार यदि फर्म में $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश करे तो वह ख्याति की कितनी राशि लाऐगा?

प्रश्न–7 A व B एक फर्म में 3:2 के लाभ विभाजन अनुपात में साझेदार है। C को $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिए फर्म में प्रवेश दिया जाता है। सम्पत्तियो का पुर्न–मूल्यांकन करने पर हानि 30,000 रू. होती है। उक्त व्यवहार की क्या प्रविष्टि होगी।

प्रश्न–8 समता अंश व पूर्वाधिकार अंश में दो अन्तर बताइए

प्रश्न–9 अनु लिमिटेड ने मनु लिमिटेड से 45,0000 में एक मशीन क्रय कि 90,000रू. नकद तथा शेष राशि का भुगतान 100रू. के अंशों का 20 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमन कर किया जाऐगा। उक्त व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–10 सोहन, जिसके पास 100रू. के 900 अंश है उसने आबंटन राशि 40रू. प्रति अंश (10रू. अधिमूल्य सहित) और रू.20 की प्रथम व अन्तिम माँग राशि का भुगतान नही किया। इसके पश्चात् उसके अंशों का हरण कर लिया गया हरण सम्बन्धी जर्नल प्रविष्टि दीजिए.।

प्रश्न–11 मोहिनी लिमिटेड ने 50,00,000रू.सम्पत्तियाँ व 6,80,000 के दायित्व का क्रय किया ।जिनके लिए 100रू. वाले 8 प्रतिशत ऋणपत्र 4 प्रतिशत बट्टे पर निर्गमित किए गये। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्रश्न–12 ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर लेकिन उनका शोधन प्रीमियम पर करने पर क्या जर्नल प्रविष्टि होगी?

प्रश्न–13 वित्तीय विवरणों के चार महत्व बताइए।

प्रश्न–14 निम्न सूचनाओं से तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण तैयार कीजिए–

विवरण	नोट संख्या	2019–20	2020–21
प्रचालन से आगम		8,00,000	10,00,000
कर्मचारी हित व्यय		4,00,000	8,00,000
अन्य व्यय		50,000	50,000
कर दर		30%	35%

प्रश्न–15 अमन लिमिटेड के 3,00,000 के 10% ऋणपत्र है। ब्याज एवं कर से पूर्व इसका लाभ 9,00,000 रू. है। ब्याज प्राप्ति अनुपात की गणना कीजिए।

प्रश्न–16 यदि चालू दायित्व 3,00,000, चालू अनुपात 3:1 हो तो चालू सम्पत्तियाँ ज्ञात करो।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड–स

(प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है) **3×4=12**

प्रश्न–17 निम्नांकित परिस्थिति को 31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाते में किस प्रकार दिखाऐगें–

	1/4/20	31/3/21
स्टेशनरी का स्टॉक	1000	400
स्टेशनरी के लिए देनदार	600	600
स्टेशनरी हेतु अग्रिम भुगतान	200	300

वर्ष के दौरान स्टेशनरी की राशि चुकाई	5000

प्रश्न–18 P , Q व R एक फर्म में 5:3:2 के अनुपात में लाभ–हानि विभाजन करते हुए साझेदार है। अब उनका नया लाभ विभाजन अनुपात 1:1:1 रहेगा। उस फर्म की पुस्तके 1,00,00 सामान्य संचय एवं भवन के पुनर्मूल्यांकन पर 20,000 का लाभ दिखायी है उनके पूंजी खातो के माध्यय से समायोजन प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–19 सीता व गीता एक फर्म में साझेदार है। 1 अप्रेल 2020 को उनकी पूंजी क्रमशः 3,50,000 व 2,50,000 थी । उनका लाभ विभाजन अनुपात बराबर है वे 1 जुलाई 2020 को निर्णय लेते है कि उन दोनो की पूंजी 1,00,000 प्रत्येक की होनी चाहिए। उनकी पूंजी में आवश्यक समायोजन रोकड़ को जमा या आहरित करके किया गया। पूंजी पर ब्याज 8 प्रतिशत वार्षिक की दर है। 31 मार्च 2021 को पूंजी पर ब्याज की गणना करे।

प्रश्न–20 रहतिया आवर्त अनुपात ज्ञात करे–

प्रारम्भिक रहतिया	9000
अन्तिम रहतिया	11,000
क्रय	23,000
मजदूरी	7,000
प्रचालन से आगम	40,000
आन्तरीक ढुलाई	2,000

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड–द

(प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है) **4×3=12**

प्रश्न–21 राम और श्याम बराबर लाभ विभाजन करते हुए साझेदार है 1 अप्रेल 2021 को उनका तुलन पत्र निम्न प्रकार है

Balance sheet

liabilities	Amount	Assets	Amount
sundry creditors	60,000	cash at Bank	28,000
capital accounts		Debtors	20,000
Ram 37,500		stock	18,000
shyam 37,500	75,000	furniture	19,000
		plant and machinery	50,000
	1,35,000		1,35,000

उक्त तिथि को मोहन को लाभों में 1/3 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश दिया गया जो कि 50,000 पुंजी के रूप में लायेगा। निम्न समायोजन किये जाना तय किया गया–

1. स्टॉक का बाजार मुल्य 25,500 है।
2. देनदारों के विरूद्व रू.1000 का आयोजन किया गया।
3. फर्नीचर रू.18,000 पर पुनर्मूल्यांकन किया गया।
4. 20,000 की एक मशीनरी का लेखा पुस्तकों में करने से रह गया था।
5. बकाया किराया 500रू.

पूर्नमूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूंजी खाते बनाइये।

अथवा

Aऔर B एक फर्म मे साझेदार है। लाभ हानि का विभाजन 5:3 के अनुपात में करते है। वे C को 1/5 भाग के लाभों के लिए साझेदार बनाते है। C पूंजी के रूप में रू. 40,000 और अपने भाग की ख्याति के लिए रू 8000 लाता हैं। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करे।

(अ) जब ख्याति की राशि को व्यवसाय मे रखा जाएगा।
(ब) जब ख्याति की पूर्ण राशि को निकाला जाए।
(स) जब ख्याति की राशि का 50 प्रतिशत निकाला जाए।
(द) जब ख्याति का भुगतान निजी रूप से कर दिया जाए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्रश्न–22 एस लिमिटेड ने 20,000 समता अंश र 100 वाले र 120 प्रति अंश पर जारी किये। भुगतान इस प्रकार देय हैं आवेदन पर र 40 प्रति अंश बंटन पर र 40 प्रति अंश (प्रीमियम सहित) शेष प्रथम व अंतिम माँग पर ।
आवेदन पर प्राप्त अधिक्य राशि का प्रयोग बंटन व प्रथम व अंतिम माँग पर देय राशियों के लिए किया जा सकता है। यदि कोई आंबटन नही किया है तो समस्त राशि लौटानी है।
33,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए 12,000 अंशो के आवेदको को 2,000 अंश आंबटित किये 3,000 अंशो के आवेदको को पूरी राशि लौटाई गई। शेष आवेदको को पूर्ण बंटन किया गया समस्त देय राशियाँ यथा समय प्राप्त हो गई ।
उपरोक्त व्यवहारों के लिए कम्पनी की पुस्तको मे आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्रश्न–23 A लिमिटेड ने 40रू. आवेदन पर तथा 60रू. आबंटन पर देय रखते हुए प्रति ऋणपत्र 100रू. पर 20,000, 8 प्रतिशत ऋणपत्रों को निर्गमित किया जनता ने 24,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन किए 18,000 ऋणपत्रों के लिए पूर्ण आवेदन स्वीकृत हुए 4000 ऋणपत्र के आवेदन पर 2000 ऋणपत्र स्वीकृत हुए। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

अथवा

1 मई 2020 को प्राची लिमिटेड ने 100रू. प्रति ऋणपत्र के 10,000, 10 % ऋणपत्रों का निर्गम 10% बट्टे पर किया जो 10 प्रीमियम पर शोधनीय थे। सभी ऋणपत्र पूर्णतः अभिदत्त रहे और सम्पूर्ण राशि प्राप्त हो गई । प्रतिभूति प्रीमियम संचय 80,000 था। 1 जनवरी 2021 को कम्पनी ने रू. 10 प्रति अंश के 1,00,000 समता अंशों का निर्गम 1रू. प्रति अंश प्रीमियम पर किया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र–2

उ.मा.वि.परीक्षा 2022

विषय–लेखाशास्त्र

खण्ड अ

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्र.1 आय–व्यय खाते की प्रकृति होती है–

(क) व्यक्तिगत खाता की (ख) वस्तुगत खाता की

(ग) लाभ–हानि खाता की (घ) उपर्युक्त मे से कोई नही ( )

प्र.2 साझेदार सलेंख के अभाव में लाभ–हानि अनुपात क्या होगा–

(क) पूंजी अनुपात (ख) बराबर

(ग) 2:3 (घ) उपर्युक्त मे से कोई नही ( )

प्र.3 त्याग के अनुपात का सुत्र है–

(क) पुराना अनुपात—नया अनुपात (ख) नया अनुपात+पुराना अनुपात

(ग) नया अनुपात—पुराना अनुपात (घ) पुराना अनुपात×फायदे का अनुपात ( )

प्र.4 सारणी F के अनुसार "बकाया माँग"पर अधिकतम कितना ब्याज वसूला जा सकता है।

(क) 5% वार्षिक (ख) 9% वार्षिक

(ग) 10% वार्षिक (घ) 6% वार्षिक ( )

प्र.5 E.S.O.Pका पूरा नाम क्या है–

(क) कर्मचारी पूंजी विकल्प योजना

(ख) कर्मचारी विशेष विकल्प योजना

(ग) समता अंशधारी अवसर योजना

(घ) इनमें से कोई नही ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.6 कम्पनी ऋणपत्रधारीयों को क्या देती है–

(क) किराया (ख) ब्याज

(ग) लाभ (घ) लाभांश ( )

प्र.7 ऋणपत्रों पर ब्याज होता है–

(क) लाभों पर प्रभार (ख) लाभों पर प्रावधान

(ग) हानि पर प्रभार (घ) लाभों का नियोजन ( )

प्र.8 यदि 7,00,000 रू के ऋणपत्रों का परिवर्तन द्वारा शोधन किया गया हो तो कितनी राशि ऋणपत्र शोधन संचय में हस्तान्तरित होगी–

(क) 4,00,000रू (ख) 7,00,000रू

(ग) 8,00,000रू (घ) उपर्युक्त में से कोई ( )

प्र.9 तुलन पत्र में सामान्य संचय को किस शीर्षक में दिखाया जाता है–

(क) अंश पूंजी (ख) संचय व आधिक्य

(ग) चालू सम्पत्तियाँ (घ) गैर–चालू सम्पतियाँ ( )

प्र.10 तुलनात्मक विवरण को अन्य किस नाम से जाना जाता है।

(क) क्षैतिज विश्लेषण (ख) लम्बवत् विश्लेषण

(ग) बाह्य विश्लेषण (घ) क्रियाशील विश्लेषण ( )

प्र.11 प्रवृति विश्लेषण की तकनीक है–

(क) समानाकार विश्लेषण (ख) प्रवृति विश्लेषण

(ग) समरूप विश्लेषण (घ) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण ( )

प्र.12 आदर्श चालू अनुपात माना जाता है।

(क) 2:1 (ख) 1:1

(ग) 2:3 (घ) 1:2 ( )

प्र.2 रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. साझेदार के मध्य लिखित समझौता ..... कहलाता है।
2. बकाया माँग राशि को चिट्ठे मे ..... में से घटाकर दिखाया जाती है।
3. ऋणपत्रधारी कम्पनी से ..... प्राप्त करते है।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

4. जिनके धारक का नाम कम्पनी के ऋणपत्रों के रजिस्टर में अंकित होता है..... ऋणपत्र कहलाते है।
5. ऋणों पर ब्याज ..... व्यय है।
6. चालू अनुपात का सूत्र ..... है।

प्र.3 अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. अलाभकारी संस्थाओं की कोई दो विशेषताएँ बताइए।
2. विशेष साझेदारी किसे कहते है?
3. अंश के दो प्रकारों के नाम बताइए।
4. अपरिवर्तनीय ऋणपत्र किसे कहते है ?
5. ऋणपत्रों को कितने प्रकार से निर्गमित किया जा सकता है?
6. बन्धक ऋणपत्र से आप क्या समझते है?
7. ऋणपत्रों पर देय ब्याज की जर्नल प्रविष्टि क्या होगी ?
8. ऋणपत्र शोधन संचय किस प्रकार बनाया जाता है?
9. स्थिति विवरण के सम्पति भाग के प्रमुख शीर्षक का नाम बताइए।
10. वित्तीय विवरण विश्लेषण के दो उद्देश्य बताइए।
11. समरूप विवरण से आप क्या समझते है?
12. दो कृत्रिम सम्पत्तियों के नाम लिखिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड–ब

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न–4 पूंजी निधि से आप क्या आशय है? पूंजी निधि की गणना किस प्रकार की जाती है?

प्रश्न–5 X,Y व Zने वर्ष के दौरान 20,000 का लाभा कमाया साझेदारों में 2:1:1 के अनुपात में बाँट दिया गया जबकि यह 1:2:2 के अनुपात में बाँटना चाहिए था इसके लिए सुधार की क्या जर्नल प्रविष्टि होगी।

प्रश्न–6 A,B व C साझेदार है उनका लाभ–हानि विभाजन अनुपात 4:2:2 है। D नए साझेदार के रूप में $\frac{1}{5}$हिस्से के लिए प्रवेश करता है। उनका नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करे।

प्रश्न–7 एक फर्म में साझेदारों की कुल पूंजी 2,00,000रू है। तथा इसका औसत वार्षिक लाभ 40,000रू है। सामान्य प्रत्याय दर 10% वार्षिक है। फर्म की ख्याति अधिलाभ के दुगुने के बराबर है। फर्म की ख्याति का मूल्य क्या होगा ?

प्रश्न–8 बकाया माँग तथा अग्रिम माँग में दो अन्तर बताइए।

प्रश्न–9 रोशनी लिमिटेड ने 1 अप्रेल 2021 को 100रू वाले 5000 अंश जनता को 16% प्रीमियम पर निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि आवेदन पर देय थी। सभी अंशों कें लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। अंशों का आबंटन 15मई 2021 को किया कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–10 नमन लिमिटेड ने अमन के 200 समता अंश 100रू मूल्य के हरण करने का निर्णय लिया अमन ने अन्तिम माँग 20रू का भुगतान नहीं किया था। इन सभी अंशों का पुर्ननिर्गमन 100रू प्रति अंश पर किया गया। जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–11 100रू. वाले 2000, 8% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किये गए जो कि 5 वर्ष बाद 4% प्रीमियम पर शोधनीय है। निर्गमन के समय की जाने वाली जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

प्रश्न–12 20,00,000रू के बैंक ऋण हेतु सम्पार्श्विक प्रतिभूमि के रूप में 100रू प्रति ऋणपत्र की दर से 20,000 9% ऋणपत्रों का निर्गमन हुआ। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

प्रश्न–13 वित्तीय विवरणों की चार सीमाएँ बताइए।

प्रश्न–14 निम्न सूचनाओं से तुलनात्मक लाभ हानि विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	नोट संख्या	2019–20 रु.	2020–21 रु.
प्रचालन से आगम		50,00,000	60,00,000
अन्य आय		2,00,000	200,000
व्यय		12,00,000	15,00,000
आयकर		35%	35%

प्रश्न–15 एक कम्पनी की चालू सम्पतियाँ 7,00,000रू. है, चालू दायित्व 2,20,000रु.है तथा तरलता अनुपात 1:5 है। तो स्टॉक का मूल्य ज्ञात कीजिए।

प्रश्न–16 व्यापारिक प्राप्य आवर्त अनुपात ज्ञात कीजिए।

संचालन से आगम 3,00,000

आगम वापसी 30,000

प्रा. देनदार 40,000

अन्तिम देनदार 20,000

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड–स

प्रश्न–17 निम्नांकित सूचनाओं से चन्दे की राशि आय–व्यय खाते में किस प्रकार दिखाऐंगे।

		रू.
01/4/20	बकाया चन्दा	14,000
	प्राप्त अग्रिम चन्दा	4000
31/3/21	बकाया चन्दा	6000
	प्राप्त अग्रिम चन्दा	10,000
	2020–21 वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा	60,000

प्रश्न–18 1 जनवरी 2020 को अ ब स 2:1:1 के अनुपात में लाभ हानि बांटते हुए साझेदार है स को लाभ की न्यूनतम 70,000रू. की गारण्टी दी गई। फर्म का लाभ 2,00,000रू. हुआ 31 दिसम्बर 2020 को लाभ हानि नियोजन खाता तैयार कीजिये।

प्रश्न–19 एक फर्म मे साझेदार है जो 3:2 में लाभ विभाजन करते है। उन्होने भविष्य में लाभों को बराबर तय किया। इस तिथि को लाभ–हानि खाते मे 60000रू. का क्रेडिट शेष व सामान्य संचय में 30,000रू. का शेष था। फर्म की पुस्तको में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

प्रश्न–20 निम्न सूचनाओं से ऋण समता अनुपात व स्वामित्व अनुपात की गणना करे–

कुल सम्पत्तियाँ	80,000
गैर–चालू दायित्व	20,000
चालू दायित्व	10,000

खण्ड–द

प्रश्न–21 AवB एक फर्म में 7:3 में लाभ–हानि बाँटते हुए साझेदार है 31 मार्च 2021 को तुलना पत्र चिटठा इस प्रकार है–

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

तुलन–पत्र

दायित्व	रू.	सम्पत्तियाँ	रू.
Capital		cash	18,000
A 25,000		debtors 23,000	
B 20,000	45,000	-PBD - 1,000	22,000
Creditors	30,000	stock	25,000
General Reserve	5,000	plant	15,000
	80,000		80,000

1 अप्रेल 2021 को C फर्म में प्रवेश करता है–

1. Cपूंजी के रूप मे 15,000रू. और 5000 प्रीमियम लाऐगा।
2. सामान्य संचय की 20 प्रतिशत राशि डूबत ऋण में हस्तांतरित की जानी है।
3. स्टॉक व प्लाण्ट का मूल्य 60 प्रतिशत तक घटाना है।
4. नया लाभ विभाजन अनुपात 21:9:10 होगा।
5. पुराने साझेदार की पूंजी नए साझेदार की पूंजी के आधार पर समायोजित की जाए।

पूनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूंजी खाते बनाइए।

अथवा

प्रश्न–21 A व B 2:1 के अनुपात में लाभ बाँटते है 31 मार्च 2021 का चिट्ठा इस प्रकार है–

© RSCERT NOT TO BE PUBLISHED

Balance Sheet as on 31.3.2021

Liabilities		Amount	Assets	Amount
creditors		42,000	Bank	20,000
General Reserve		18,000	Cash	30,000
Capital			Debtors	60,000
A	80,000		Stock	40,000
B	60,000	140,000	building	30,000
			patents	20,000
		2,00,000		2,00,000

1 अप्रेल 2021 को C ने नए साझेदार के रूप में प्रवेश किया , नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2:1 होगा। C फर्म में अपने हिस्से के अनुसार पूंजी नकद लाता है।

1. C ख्याति 20,000रू. नकद लाऐगा
2. भवन का मूल्य 70,000रू. आँका जाऐगा।
3. पुराना टाईपराइटर जिसका मूल्य 2000रू. है, पुस्तकों में नही लिखा है। इसे अब पुस्तकों में लेना है।
4. एकस्व का मूल्य शून्य होगा।

पूर्नमूल्यांकन खाता, पूंजी खाते व नई फर्म का चिठ्ठा तैयार कीजिये–

प्रश्न–22 सुमित लिमिटेड ने 10रु. वाले 10,000 समता अंश अभिदान के लिए जनता को प्रस्तावित किये। प्रति अंश राशि इस प्रकार देय थी– आवेदन पर 3रु. बंटन पर 4रु. तथा शेष आवश्यकता पठनें पर 50,000 अंशो के लिए प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए 10,000 अंशो के आवेदन को कोई अंश बंटित नहीं किये, उनकी आवेदन राशि लौटा दी गई शेष आवेदनों को अंशों का यथानुसार बंटन किया गया अधिक प्राप्त राशि को आबंटन में समायोजित किया गया। आबंटन राशि समय पर प्राप्त हो गई। उक्त व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा चिट्ठा तैयार कीजिये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्रश्न–23 आशा लिमिटेड ने रू. 1,50,000 मुल्य का भवन तथा रू.1,40,000 मुल्य की मशीनरी तथा रू. 10,000 मूल्य का फर्नीचर एक्स वाई जेड कम्पनी से खरीदा। इसके साथ ही 20,000 की दायित्व को भी ग्रहीत किया और इसका क्रय प्रतिफल रू. 3,15,000 तय हुआ। आशा लिमिटेड ने कुछ प्रतिफल को भुगतान रू.100 प्रति ऋणपत्र से 12% ऋणपत्रों को 5% प्रीमियम के साथ जारी किया।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करे।

अथवा

श्याम लिमिटेड ने 100रू. वाले 2000, 10% ऋणपत्र 2% बट्टे पर निर्गमित किए। जिनका शोधन 4% प्रीमियम पर किया जायेगा। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र 3

उ.मा.वि.परीक्षा 2022

विषय–लेखाशास्त्र

खण्ड–अ

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. किन संस्थाओं के द्वारा आय–व्यय खाता बनाया जाता है–
   (क) व्यापारिक संस्थाओं द्वारा
   (ख) अलाभकारी संस्थाओं द्वारा
   (ग) निर्माणी संस्थाओं द्वारा
   (घ) उपर्युक्त सभी ( )
2. साझेदारों का दायित्व किस प्रकार का होता है–
   (क) लाभ–हानि अनुपात में (ख) पूंजी अनुपात में
   (ग) सीमित दायित्व (घ) असीमित दायित्व ( )
3. नये साझेदार द्वारा ख्याति की रकम नकद लाने पर पुराने साझेदारों में किस अनुपात में बाँटी जाऐगी–
   (क) पुराना अनुपात में (ख) त्याग के अनुपात में
   (ग) नए अनुपात में (घ) उपर्युक्त में से कोई नही ( )
4. दो माँगों के बीच न्यूनतम कितना अन्तराल होता है–
   (क) 2 माह का (ख) 14 दिन का
   (ग) 3 माह का (घ) 1 माह का ( )
5. पुनः निर्गमित अंशों से सम्बन्धित अंश हरण खाते में यदि कोई शेष हो तो इस शेष को किस खाते में हस्तान्तरित करेगें–
   (क) capital Reserve a/c (ख) share forfeiture a/c
   (ग) share capital a/c (घ) capital profit a/c ( )
6. वे ऋणपत्र जो समता अंशों में परिवर्तित किए जा सकते है–
   (क) वाहक ऋणपत्र (ख) परिवर्तनीय ऋणपत्र
   (ग) पंजीकृत ऋणपत्र (घ) शोधनीय ऋणपत्र ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. ऋणपत्रों के आंबटन पर क्या प्रविष्टि होगी–

(क) Debenture allotment a/c Dr.
To Debenture a/c

(ख) Bank a/c Dr.
To Debenture a/c

(ग) Debenture application a/c Dr.
To Bank a/c

(घ) उपर्युक्त में से कोई नही ( )

7. लिमिटेड ने 198000रू. की सम्पत्ति खरीदी। जिसका भुगतान 100रू. अंकित मूल्य वाले ऋणपत्रों से 110रू. प्रति ऋणपत्र की दर पर किया गया है। विक्रेताओं को निर्गमित की जाने वाली ऋणपत्रों की संख्या होगी–

(क) 1800 (ख) 18000

(ग) 1700 (घ) 1900 ( )

8. तुलन–पत्र में किस मद को स्थायी सम्पत्तियाँ शीर्षक में दर्शाया जायेगा–

(क) विनियोग (ख) रहत्तिया

(ग) प्राप्य बिल (घ) एकस्व ( )

9. एक व्यावसायिक संस्था के वित्तीय विवरणों में सम्मिलित होते हैः–

(क) लाभ व हानि विवरण (ख) तुलन पत्र

(ग) रोकड़ प्रवाह विवरण (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.11 समानाकार विवरण में कुल समता व दायित्वों को किसके समान माना जाता है?

(क) 100 (ख) 1000

(ग) 10 (घ) 1 ( )

प्र.12 तरलता अनुपात में शामिल हैः–

(क) चालू अनुपात (ख) ऋण समता अनुपात

(ग) अम्ल परख अनुपात (घ) अ व स दोनों ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्रश्न–2 रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. साझेदारी संलेख के अभाव में पूंजी पर ब्याज ..... दिया जायेगा।
2. सारणी F के अनुपात अग्रिम प्राप्त माँग ब्याज की दर ..... होती है।
3. ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित करने पर ..... खाता नाम किया जाता है।
4. वे ऋणपत्र जो अंशों में परिवर्तन किए जा सके ..... ऋणपत्र कहलाते है।
5. बेचे गए माल की लागत ज्ञात करने का सूत्र ..... है।
6. ऋण समता अनुपात ज्ञात करने का सूत्र ..... है।

प्रश्न–3 अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. गैर व्यापारिक संस्थाएँ किसे कहते है?
2. बन्द हुए साझेदारी खातों में समायोजन या भूल सुधार की प्रचलित विधियों के नाम बताइए।
3. एकल व्यक्ति कम्पनी किसे कहते है?
4. बॉण्ड किसे कहते है?
5. परिवर्तनीय ऋणपत्र किसे कहते है?
6. ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर करने पर क्या प्रविष्टि होगी।
7. ऋणपत्रों का शोधन के दो वित्त स्रोतों के नाम लिखिए।
8. समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन से क्या आशय है?
9. गैर चालू दायित्व से आप क्या समझते है?
10. प्रवृति विश्लेषण किसे कहते है?
11. अनुपात विश्लेषण से आप क्या समझते है?
12. कार्यशील पूंजी से आप क्या आशय है?

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड–ब

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न–4 निम्न मदो हेतु अलाभकारी संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले व्यवहार के बारे में बताइए।

1. वार्षिक चंदा
2. आजीवन सदस्यता शुल्क

प्रश्न–5 राम व श्याम साझेदार है। राम फर्म से प्रत्येक माह के प्रथम दिन 500रू. एवं श्याम प्रत्येक माह के अन्तिम दिन 700रू. आहरण करता है। ब्याज को 10 प्रतिशत वार्षिक है तो आहरण पर एक वर्ष का ब्याज ज्ञात कीजिए।

प्रश्न–6 एक फर्म का शुद्व औसत लाभ 40,000रू. है। कुल विनियोजित पूंजी 1,00,000रू. है। सामान्य प्रत्याय दर 10 प्रतिशत है। अधिलाभों के पूंजीकरण के आधार पर ख्याति की राशि ज्ञात कीजिए।

प्रश्न–7 A व B का लाभ विभाजन अनुपात 6:4 है। वे C को लाभों में $\frac{3}{7}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते है, जो कि वह $\frac{2}{7}$ A से व $\frac{1}{7}$ B से प्राप्त करता है। नया लाभ विभाजन अनुपात क्या होगा?

प्रश्न–8 स्वेट समता अंश से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न–9 श्वेता जिसके पास 2000 अंश है जिनका निर्गमित मूल्य 100रू. प्रति अंश था। श्वेता ने अन्तिम माँग जो कि 30रू. प्रति अंश थी, का भुगतान नही किया। श्वेता के अंशों का हरण किया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–10 तनु लिमिटेड ने अनु लिमिटेड से 300,000रू. की सम्पत्ति खरीदी। 25,000रू. का भुगतान नकद किया गया और शेष राशि के लिए 100रू. के अंश 10 प्रतिशत पर निर्गमित किए गए। जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–11 100रू. वाले 1000 08 प्रतिशत ऋणपत्र 95रू. में निर्गमित किए गये जो 5 वर्ष बाद सममूल्य पर शोधनीय है। ऋणपत्रों के निर्गमन पर जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–12 प्रिया लिमिटेड ने 100रू. अंकित मूल्य के 10,000रू. अंकित मूल्य के ऋणपत्रों को खुले बाजार से निरस्त के लिए 92रू. पर खरीदा। जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

प्रश्न–13 वित्तीय विवरण के चार उद्देश्य बताइए।

प्रश्न–14 निम्न सूचनाओं के आधार पर समरूप लाभ हानि विवरण तैयार कीजिए–

विवरण	2019–20 रू.	2020–21 रू.
प्रचालन से आगम	40,00,000	60,00,000
अन्य आय	6,50,000	4,00,000
कर्मचारी हित व्यय	9,00,000	17,00,000
आय कर	30%	35%

© BSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्रश्न–15 निम्न सूचनाओं से स्टॉक आवर्त अनुपात ज्ञात करे–

प्रचालन से आगम	3,00,000
औसत स्टॉक	45,000
सकल लाभ अनुपात	10%

प्रश्न–16 ऋण समता अनुपात 3:1 है तथा स्वामियों के कोष 4,00,000रू. है तो कुल ऋण ज्ञात कीजिए।

खण्ड–स

प्रश्न–17 निम्न सूचनाओं से चन्दे की राशि आय व्यय खाते में किस प्रकार दिखायेंगे–

		रू.	रू.
1/4/20	बकाया चन्दा		30,000
	प्राप्त अग्रिम चन्दा		10,000
31/3/21	बकाया चन्दा		12,000
	प्राप्त अग्रिम चन्दा	20,000	
	वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा	1,00,000	

प्रश्न–18 A B व C एक फर्म में साझेदार है 31.03.2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए साझेदारो द्वारा किए गये आहरणों पर 12% वार्षिक की दर से ब्याज की गणना कीजिए।

A ने प्रत्येक तिमाही के प्रारम्भ मे रू. 3,000 का आहरण किया

B ने प्रत्येक तिमाही के मध्य में रू. 4,000 का आहरण किया

C ने प्रत्येक तिमाही के अंत में रू. 2,500 का आहरण किया

प्रश्न–19 A और B साझेदार है तथा 3:2 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते है। वे C को लाभ मे 1/4 भाग के लिए प्रवेश देते है। नया लाभ विभाजन अनुपात 2:1:1 हैं C पूंजी के रूपम` 10,000 लाता है उसका ख्याति मे भाग का मूल्य रू. 30,000 स्वीकृत हुआ है C केवल 20,000 ख्याति के रूप में ला सका फर्म की पुस्तको में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

प्रश्न–20 निम्नलिखित सुचनाओं से व्यापारिक प्राप्य आवर्त अनुपात की गणना कीजिए–

वर्ष के लिए कुल आगाम संचालन क्रियाओं से रू. 2,00,000 नकद

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

आगम क्रियाओं से प्राप्ति 20 प्रतिशत कुल आगम का

01–04–2020 को व्यापारिक प्राप्य 34,000

31–03–2021 को व्यापारिक प्राप्य 30,000

प्रश्न–21 अ व ब 2:1 में लाभ विभाजन अनुपात में साझेदार है 31 मार्च 2021 को उनकी फर्म का चिट्ठा इस प्रकार है:–

Balance Sheet

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
	रू.		रू.
देय विपत्र	5,000	हस्तस्थ रोकड़	5,000
लेनदार	29,000	बैंक	20,000
बकाया व्यय	1,000	विविध देनदार	30,000
पूंजी		स्टॉक	20,000
A 90,000		संयंत्र	50,000
B 75,000	1,65,000	भवन	75,000
	2,00,000		2,00,000

स को नए साझेदार के रूप में प्रवेश दिया गया–

1. लाभ में $\frac{1}{4}$ भाग के लिए स 50,000रू. पूंजी और 30,000रु. ख्याति के लाएगा।
2. संयंत्र का मूल्य 60,000 आँका गया और भवन के मूल्य में 10 प्रतिशत की वृद्वि हृई।
3. स्टॉक का मूल्य रू.2000 अधिक पाया गया।
4. देनदारों पर 5 प्रतिशत की दर से संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान बनाना है।

5. लेनदारों की राशि रू.500 पाई गई जो पुस्तकों में दर्ज नही थी।
   पूनर्मूल्यांकन खाता , पूंजी खाते और तुलनपत्र तैयार कीजिए।

अथवा

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

A और B साझेदार है जो लाभों को 5:3 के अनुपात में बाँटते है। फर्म का स्थिति विवरण निम्न है:–

Balance Sheet

दायित्व Liabilites	राशि Amount	सम्पत्ति Assets	राशि Amount
Creditor	14,000	Cash	4,000
GENERAL Reserve	2,000	Debtors 20,000	
		-provision 800	19,200
C 's loan	15,000	Stock	28,000
Capital		Investment	4,000
A 25,000		P & L a/c	8,000
B 20,000	45,000	Plant	12,800
	76,000		76,000

C नए साझेदार के रूप में प्रवेश करता है।

1. नया लाभ विभाजन अनुपात 3:3:2 होगा।
2. C के ऋण को उसकी पूंजी माना जाऐगा।
3. फर्म की ख्याति का मूल्यांकन 20,000 पर किया गया एवं C अपना हिस्सा नकद लायेगा।
4. रहतिये का मूल्य रू. 25,000 तक कम कर दिया जाए।
5. संदिग्ध ऋणों का प्रावधान देनदारों पर 5 प्रतिशत की दर से कर दिया जाए।
6. ख्याति व्यवसाय में रखी जाएगी।
   उपरोक्त व्यवहार के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्रश्न–22 अमन लिमिटेड ने रू. 10 प्रत्येक 20,000 अंशों को रू.11 प्रति अंश पर जनता में अभिदान के लिए निर्गमित किया। राशि निम्न प्रकार देय है–

र 3 आवेदन पर

र 4 आबंटन पर

र 4 प्रथम और अंतिम मांग पर

24,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए/ और संचालको ने आनुपातिक आंबटन किया।

सोहन 240 अंशों के आवेदक ने आबंटन और माँग राशि का भुगतान करने मे असफल रहे और राम जिन के पास 400 अंश थे माँग राशि का भुगतान करने में असफल रहे। इन सभी अंशों को जब्त कर लिया गया जब्त किए गए अंशों में से 300 अंशों(सोहन के सभी अंशों सहित) को रु. 8 प्रति अंश में पुनःनिर्गमित किया

उपरोक्त व्यवहारों की रोजनामचा प्रविष्टियो का अभिलेखन करे।

प्रश्न–23 सुमित लिमिटेड ने 01 जुलाई,2021 को ,रू.100 अंकित मूल्य के 5,000, 10 प्रतिशत ऋणपत्र 5 प्रतिशत बट्टे पर निर्गमित किये। प्रतिभूति संचय का शेष 6,00,000 है यदि ऋणपत्र 5 वर्ष पश्चात 7 % प्रीमियम पर शोधनीय है तो बट्टा/हानि हो अपलिखित करते हुए ऋणपत्र निर्गम सम्बंधी रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

अथवा

1 अक्टूबर,2021 को रोहिनी लिमिटेड ने 100 अंकित मूल्य के 25000, 10 प्रतिशत ऋणपत्रों को रू.4 प्रतिशत बटटे पर निर्गमित किया। प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते का शेष रू.2,00,000 है ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टे की राशि को अपलिखित करने के लिए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

लेखन विकास समूह

1. जितेन्द्र कुमार गोयल प्रधानाचार्य

स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल खेरवाडा (जिला–उदयपुर)

2. ताहिर मोहम्मद प्राध्यापक

स्वामी विवेकानन्द राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जावर माइंस, गिर्वा, उदयपुर

3. श्रीमती पिंकी शर्मा प्राध्यापक

□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□,□□□□□,
□□□□□□□□□□,□□□□□□□□□

@ RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

तकनीकी समन्वयक

श्री हेमंत आमेटा
प्राध्यापक
(राजकीय सिन्धी भाषाई उमावि, प्रतापनगर, उदयपुर)

श्री ललित पटेल
प्र. स.
(राउमावि सरु, गिर्वा, उदयपुर)

"आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा"

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335

Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।
खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

111, सहेली मार्ग उदयपुर (राजस्थान) 313001

एवं

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

शिक्षा संकुल, जयपुर (राजस्थान) 302001